



आमन लेखनी



अजब गजब काइट फेस्टिवल.....

त्योहार की खुशी.....

वर्ष : 10

अंक : 34

लखनऊ, 13 जनवरी, शनिवार 2024

पृष्ठ : 08

मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम अधिकतम तापमान 17.c न्यूनतम तापमान 8.c

बाजार

सोना 5510/ 9 चांदी 73.50/ 9

सेंसेक्स 71,657.71 निफ्टी 21,618.70

संक्षिप्त समाचार

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में कोहरे के कारण दृश्यता कम, रेल यातायात प्रभावित

नई दिल्ली : उत्तरी मैदानी इलाकों में शुक्रवार को कोहरे की परत छाई रही और यह पूर्वोत्तर तक फैल गई, जिससे दृश्यता कम हो गई और रेल यातायात प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने जानकारी दी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 23 रेलगाड़ियां प्रभावित हुईं। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार पर कोहरे की एक परत दिखाई दी, जो पूर्वोत्तर भारत तक फैली हुई है। ओडिशा में भी कई स्थानों पर कोहरा दिखाई दिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली के इंडिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेशशाला में दृश्यता का स्तर शून्य हो गया। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि सफदरजंग हवाई अड्डे पर दृश्यता कम होने से 200 मीटर की दूरी तक ही दिखाई दे रहा था। पंजाब के अमृतसर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ और वाराणसी में दृश्यता का स्तर 25 मीटर रहा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश के बरेली, बिहार के पूर्णिया और असम के तेजपुर में 50 मीटर और हरियाणा के अंबाला और राजस्थान के गंगानगर में यह 200 मीटर रहा। आईएमडी के अनुसार, दृश्यता जब शून्य से 50 मीटर के बीच हो तो बहुत घना कोहरा, 51 से 200 मीटर के बीच घना कोहरा, 201 से 500 मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1,000 मीटर के बीच हल्का कोहरा होता है।

आईएमडी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि अगले पांच दिनों में उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सुबह बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। उत्तरी मैदानी इलाकों में बुधवार और बृहस्पतिवार को धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली लेकिन ठंडी हवाओं से तापमान घट गया। उत्तर भारत के कई हिस्सों में 30-31 दिसंबर से शीत दिवस से अत्यधिक शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है।

कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांसें ले रहा, वहां निवेश का मतलब भारत की एकता में निवेश : सिन्हा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली : जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को यहां कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अंतिम सांसें ले रहा है और निवेशकों को वहां निवेश करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने का मतलब भारत की एकता और अखंडता में निवेश होगा। सिन्हा यहां 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित एक सेमिनार में संबोधित निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोगों से जम्मू-कश्मीर पर अपना ध्यान केंद्रित करने और वहां उद्यम स्थापित करके उसे देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में योगदान देने का आग्रह किया। सिन्हा ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पड़ोसी के नापाक इरादे सफल नहीं होंगे और जम्मू-कश्मीर की

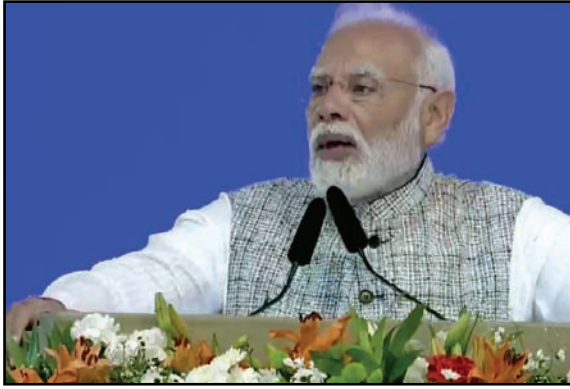
देश बदलेगा भी और बढ़ेगा भी : पीएम मोदी

अटल सेतु के उद्घाटन के बाद बोले पीएम मोदी- विकास के लिए हम समुद्र से भी लड़ सकते हैं

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज महाराष्ट्र के दौर पर हैं। महाराष्ट्र में अटल सेतु के अलावा पीएम ने कई योजनाओं का तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन मुंबई और महाराष्ट्र के साथ ही विकसित भारत के संकल्प के लिए ऐतिहासिक है। आज दुनिया के सबसे बड़े पुल में से एक अटल सेतु देश को मिला है। आज का ये कार्यक्रम संकल्प से सिद्ध का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर 2016 का दिन मैं नहीं भूल सकता। जब मैं अटल सेतु के शिलान्यास के लिए यहां आया था। तब मैंने छत्रपति शिवाजी को नमन करते हुए कहा था कि लिखकर रखिए... देश बदलेगा भी और देश बढ़ेगा भी।

पीएम ने कहा कि ये मोदी की गारंटी थी और आज मैं फिर छत्रपति शिवाजी को नमन करते हुए, सिद्ध विनायक जी को प्रणाम करते हुए यह अटल सेतु मुंबई और देश के लोगों को समर्पित



कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि हमारे लिए शिलान्यास, भूमिपूजन, उद्घाटन, लोकारपण सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम भर नहीं होता और ना ही मीडिया में आने के लिए और जनता को रिश्ताने के लिए होता है। हमारे लिए हर प्रोजेक्ट भारत के नवनिर्माण का माध्यम है। उन्होंने कहा कि अटल सेतु, विकसित भारत की तस्वीर है। विकसित भारत कैसा होने वाला है, उसकी एक झलक है। विकसित भारत में सबके लिए

रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा हो, जन धन खाते हों, पीएम आवास के पक्के घर हों, घरों की रजिस्ट्री महिलाओं के नाम हो, गर्भवती महिलाओं के बैंक खाते में 6 हजार रुपये भेजना हो, नौकरी करने वाली महिलाओं को वेतन के साथ 26 हफ्ते की छुट्टी देना हो, सुकन्या समृद्धि खातों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा ब्याज देना हो, हमारी सरकार ने महिलाओं का खास ध्यान रखा है।

मोदी ने मुंबई में इस्टर्न फ्रीवे अर्रंज गेट को मरीन ड्राइव से जोड़ने वाली भूमिगत सड़क सुरंग की आधारशिला रखी। उन्होंने मुंबई में सातारूज इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में चंद्र और आभूषण क्षेत्र के लिए सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। मोदी ने महाराष्ट्र में महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नमो महिला सशक्तिकरण अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ठाणे-वाशी/पनवेल ट्रांस-हार्बर लाइन पर नए उपनगरीय रेलवे स्टेशन दीपा गांव

का उद्घाटन किया। मोदी ने मुंबई में खार रोड और गोरेगांव रेलवे स्टेशनों के बीच नयी छठी लाइन का उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि अटल सेतु ट्रांस हार्बर लिंक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत की शक्ति को प्रदर्शित करता है, यह बताता है कि देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल पहले, हजारों, लाखों करोड़ रुपए के टी स्केर की चर्चा होती थी। आज हजारों करोड़ रुपए के टी स्क्रिन्स की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि आज एक तरफ, गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए महा-अभियान है, तो दूसरी तरफ, देश के कोने-कोने में चला रही महा-परियोजनाएँ हैं। हम अटल पेंशन योजना भी चला रहे हैं और अटल सेतु भी बना रहे हैं। हम आयुष्मान भारत योजना भी चला रहे हैं और वंदेभारत-अमृतभारत ट्रेन भी बना रहे हैं। हम पीएम किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं और पीएम गतिशक्ति भी बना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री निस्थित प्रमाणिक को मिली सुप्रीम राहत

2018 मामले में गिरफ्तारी से दी राहत एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री निस्थित प्रमाणिक को पश्चिम बंगाल में 2018 में गिरफ्तारी के प्रयास के एक मामले में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की और कलकत्ता उच्च न्यायालय की सर्किट बेंच से उनकी जमानत याचिका पर 22 जनवरी को सुनवाई करने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा मामले की सुनवाई होने तक (याचिकाकर्ता के खिलाफ) कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। अदालत प्रमाणिक

द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर विचार कर रही थी, जिन्होंने 4 जनवरी के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा देने से इनकार कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को याचिका पर नोटिस जारी किया था और पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा था। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन राज्य की ओर से पेश हुए और अदालत को सूचित किया कि उनके पास यह कहने के निर्देश हैं कि 22 जनवरी को मामले की सुनवाई होने तक पुलिस द्वारा कोई कठोर कदम नहीं उठाया जाएगा। हालांकि, प्रमाणिक के वकीलों ने आदेश में अंडरटेकिंग दर्ज करने की मांग की।

राम भक्तों के सत्कार को तैयार योगी सरकार

रैन बसेरों और अलाव के लिए 10 करोड़ किये जारी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

अयोध्या : योगी राज में लौटे अयोध्या धाम के पौराणिक वैभव को अपनी आंखों से देखने और उसे अपने मन मस्तिष्क में उतारने के लिए देश ही नहीं विदेश के श्रद्धालु आतुर हैं। वह अपने पूर्वजों से जिस राम राज्य की गाथाओं को सुनते थे, उसके योगी सरकार में वास्तविक स्वरूप को देखने के लिए 22 जनवरी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में योगी सरकार भी उनके स्वागत के लिए पुख्ता इंतजाम कर रही है। श्रद्धालुओं के रहने के लिए होटल से लेकर उनके आवागमन के लिए सुविधाओं को



सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक समीक्षा बैठक में जिला प्रशासन को अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये थे। सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि अयोध्या आने वाले सभी तरह के श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान रखा जाए। गरीब तबके

के श्रद्धालुओं को ठंड और शीतलहर के दृष्टिगत प्रशासन की ओर से रहने की व्यवस्था रैन बसेरों में कराई जाए। इसके लिए रैन बसेरों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही अयोध्या धाम में जगह-जगह अलाव जलाने की व्यवस्था हो और जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया जाए। इसके लिए सरकार की ओर से अयोध्या को 10 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की गई है।

पहले से व्यवस्थाओं का करें रियल्टी चेक

राहत आवुक्त जीएस नवीन कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में अयोध्या धाम आने वाले सभी श्रद्धालुओं की हर

जरूरत का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में उनके दर्शन के लिए रोजाना एक लाख से अधिक श्रद्धालु देश ही नहीं विदेश से भी आएंगे। ऐसे में उनके किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही पहले से सारी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के साथ उसका रियल्टी चेक कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 27 और शीतलहर का प्रकोप जारी है। ऐसे में अयोध्या धाम में रैन बसेरों की संख्या को बढ़ाया जाए। इसके अलावा धाम में जगह-जगह अलाव जलाने की व्यवस्था की जाए

और जरूरतमंद श्रद्धालुओं को कंबल वितरित किये जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद राहत कार्यालय की ओर से अयोध्या धाम में अलाव जलाने, कंबल वितरण और रैन बसेरों की संख्या बढ़ाने समेत अन्य मद में 10 करोड़ रुपयों की अतिरिक्त धनराशि जारी कर दी।

घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुख्ता करने के लिए खरीदे जाएंगे अतिरिक्त लाइफ जैकेट राहत आवुक्त ने बताया कि अयोध्या धाम को 10 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने के साथ जिलाधिकारी को रैन बसेरों और अलाव जलाने के लिए जगह चिह्नित करने के निर्देश दिये गये हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए महाकालेश्वर मंदिर से जाएंगे पांच लाख लड्डू, चढ़ाया जाएगा प्रसाद

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली : राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए देश भर में अलग-अलग स्तर पर तैयारी की जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आयोजन भले ही अयोध्या में होना हो लेकिन देशभर में इसके जश्न की तैयारी जोर-शोर से जारी है। इसी बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 12 जनवरी को कहा है कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से 5 लाख लड्डू

अयोध्या भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव को जानकारी थी कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर से अयोध्या 5 लाख लड्डू भेजे जा रहे हैं। इन लड्डू को प्रसाद के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। अयोध्या में मंदिर को मुगल बादशाह बाबर ने तोड़ा था और अब इसका पुनर्निर्माण हो रहा है। वर्षों के बाद और लंबे संघर्ष के बाद इस मंदिर की निर्माण हो रहा है जिसका जश्न मनाने में मध्य प्रदेश भी पीछे नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर का भव्य निर्माण किया जा रहा है, जिसे देखने का सौभाग्य हमें भी मिल रहा है। सभी राज्यों के लोगों को उद्घाटन होने के बाद दर्शन करने के लिए विभिन्न तारिखें दी हैं, जिसके आधार पर ही मंदिर में दर्शन करने के लिए जाया जाएगा। इस मंदिर के संबंध में उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा प्रदान की जाने वाली विशिष्ट तिथियों पर विभिन्न राज्यों से लोगों को राम मंदिर में दर्शन के लिए अयोध्या भेजा जाएगा।

पीएम मोदी ने 11 दिवसीय अनुष्ठान किया शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शुक्रवार से 11 दिनों का विशेष अनुष्ठान आरंभ किया। इस अनुष्ठान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले की है। गौरतलब है कि शास्त्रों में ह्यप्राण प्रतिष्ठा के लिए

लोगों के वास्ते सख्त और कठिन दिशा निर्देश हैं। इनी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले वह आध्यात्मिक यात्रा के कुछ खिंडाओं के मार्गदर्शन में विशेष अनुष्ठान शुरू कर रहे हैं। बता दें कि इस अनुष्ठान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नासिक में धाम-पंचवटी से की है। गौरतलब है कि नासिक की इस धाम पंचवटी के बारे में माना जाता है कि भगवान राम ने वहां लंबा समय व्यतीत किया था।

मणिपुर में थौबल के निजी मैदान से शुरू होगी भारत जोड़ो न्याय यात्रा: कांग्रेस

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली : कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर की राजधानी इंफाल को बजाय 14 जनवरी को राज्य के थौबल जिले के एक निजी मैदान से होगी। कांग्रेस के मणिपुर अध्यक्ष कोशम मेघचंद्र ने कहा कि इंफाल के हट्टा कांगजेंडुंग मैदान से यात्रा शुरू करने की अनुमति मांगी गई थी लेकिन राज्य सरकार ने कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी। इस कारण अंतिम क्षण में कार्यक्रम स्थल में बदलाव क्षण पड़ा जो पूर्वनिर्धारित स्थल से 34 किलोमीटर दूर है। उन्होंने कहा,

हमने दो जनवरी को राज्य सरकार को प्रस्ताव दिया था कि इंफाल में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को हट्टा कांगजेंडुंग मैदान से हरी झंडी दिखाए जाने की अनुमति दी जाए। हमने यह भी घोषणा की थी कि यात्रा इंफाल से शुरू होगी और मुंबई में संपन्न होगी। राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने 10 जनवरी को इस संबंध में मुख्यमंत्री एन बीरन सिंह से मुलाकात की थी लेकिन मुंबई पर प्रकाश डालते हुए ममता ने कहा कि इससे राज्य के बच्चों को प्रतियोगिताओं में जाने पर मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नाम में 'वेस्ट' जोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला कर दिया जाए तो हमारे बच्चे जो विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पढ़ाई के लिए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता

अखिलेश को नहीं मिला है राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता

सापा प्रमुख बोले - समाज को बांट रही है भाजपा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली : समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम लला के प्रतिष्ठा समारोह के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर पार्टी के लखनऊ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पता चला है कि कूरियर के माध्यम से कुछ निमंत्रण भेजा गया था, जो अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने आगे दावा किया कि जिन लोगों ने कहा है कि उन्होंने निमंत्रण भेजा है, उन्हें रसीद कूरियर कर देनी चाहिए ताकि इसे ट्रैक किया जा सके। अखिलेश ने अपने बयान में कहा कि भगवान राम के नाम पर हमारा

अपनी ओर से पूरी कोशिश करता है, लेकिन हम केंद्रशासित प्रदेश से आतंकवादियों को खत्म करने की दिशा में काम कर रहे हैं...। सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात को भविष्य का प्रवेश द्वार कहा है, लेकिन राज्य को देश की शारदा पीठ जम्मू-कश्मीर के विकास में भी योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग जम्मू-कश्मीर की कानून-व्यवस्था को लेकर संदेह से परे हुए थे, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश में अपराध दर गुजरात से भी कम है। सिन्हा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी नीत सरकार स्थायी रूप से शांति स्थापित करने में विश्वास करती है और मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर की स्थिति भी देश के बाकी हिस्सों जैसी ही होगी।

बंगाल का नाम बदलने की ममता बनर्जी ने की मांग बोलीं- वेस्ट लिखने की क्या जरूरत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

कोलकाता, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने राज्य का नाम बदलकर 'बांग्ला' करना चाहती हैं। उनका तर्क है कि चूंकि पश्चिम बंगाल वर्णमाला सूची में सबसे नीचे आता है, इसलिए इसके प्रतिनिधियों को केंद्रीय बैठकों के दौरान अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अपने नए आह्वान में बनर्जी ने बताया कि अतीत में भी बांग्ला और उड़ीसा के नाम बदले गए थे और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से उनके प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह किया।

ममता ने कहा कि हमने पहले अपने राज्य का नाम बदलने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पारित किया है। हमने उन्हें हर तरह का स्पष्टीकरण दिया है। लेकिन लंबे समय तक उन्होंने हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला नहीं किया। इसके

मिलेगी। हर बैठक में हमें अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया जाता है। बांग्ला का महत्व कम कर दिया गया है। पंजाब का उदाहरण देते हुए, जो भारत में एक राज्य और फायदों पर प्रकाश डालते हुए ममता ने कहा कि इससे राज्य के बच्चों को प्रतियोगिताओं में जाने पर मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नाम में 'वेस्ट' जोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला कर दिया जाए तो हमारे बच्चे जो विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पढ़ाई के लिए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता

मिलेगी। हर बैठक में हमें अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया जाता है। बांग्ला का महत्व कम कर दिया गया है। पंजाब का उदाहरण देते हुए, जो भारत में एक राज्य और फायदों पर प्रकाश डालते हुए ममता ने कहा कि इससे राज्य के बच्चों को प्रतियोगिताओं में जाने पर मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नाम में 'वेस्ट' जोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला कर दिया जाए तो हमारे बच्चे जो विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पढ़ाई के लिए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता

बंगाल का नाम बदलने की ममता बनर्जी ने की मांग बोलीं- वेस्ट लिखने की क्या जरूरत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

कोलकाता, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने राज्य का नाम बदलकर 'बांग्ला' करना चाहती हैं। उनका तर्क है कि चूंकि पश्चिम बंगाल वर्णमाला सूची में सबसे नीचे आता है, इसलिए इसके प्रतिनिधियों को केंद्रीय बैठकों के दौरान अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अपने नए आह्वान में बनर्जी ने बताया कि अतीत में भी बांग्ला और उड़ीसा के नाम बदले गए थे और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से उनके प्रस्ताव पर विचार करने का आग्रह किया।

ममता ने कहा कि हमने पहले अपने राज्य का नाम बदलने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पारित किया है। हमने उन्हें हर तरह का स्पष्टीकरण दिया है। लेकिन लंबे समय तक उन्होंने हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला नहीं किया। इसके

मिलेगी। हर बैठक में हमें अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया जाता है। बांग्ला का महत्व कम कर दिया गया है। पंजाब का उदाहरण देते हुए, जो भारत में एक राज्य और फायदों पर प्रकाश डालते हुए ममता ने कहा कि इससे राज्य के बच्चों को प्रतियोगिताओं में जाने पर मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नाम में 'वेस्ट' जोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला कर दिया जाए तो हमारे बच्चे जो विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पढ़ाई के लिए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता

मिलेगी। हर बैठक में हमें अंत तक इंतजार करने के लिए मजबूर किया जाता है। बांग्ला का महत्व कम कर दिया गया है। पंजाब का उदाहरण देते हुए, जो भारत में एक राज्य और फायदों पर प्रकाश डालते हुए ममता ने कहा कि इससे राज्य के बच्चों को प्रतियोगिताओं में जाने पर मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नाम में 'वेस्ट' जोड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे राज्य का नाम बदलकर बांग्ला कर दिया जाए तो हमारे बच्चे जो विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पढ़ाई के लिए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता

एचआईवी/एड्स से जुड़ी भातियों को दूर करने को आगे आए युवा : रवीन्द्र कुमार

उपस्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से जानी एचआईवी/एड्स से बचाव की बारीकियाँ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा दिवस पर उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में नेशनल पीजी कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। दो दिवसीय (11-12 जनवरी) आयोजन के आखिरी दिन शुक्रवार को सोसायटी के अग्र परियोजना निदेशक रवींद्र कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स के मामले में हमें बचाव पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। एचआईवी को लेकर लोगों में

भ्रान्ति है कि यह सिर्फ शारीरिक सम्बन्ध बनाने से ही होता है बल्कि इसके अन्य कारण भी हैं। यह संक्रामित इंजेक्शन से व बिना जांच किये हुए खून ग्रहण करने से भी होता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति अपनी ऊर्जा का भरपूर उपयोग करते हुए कार्यक्रम से जुड़े और घर-घर, गली-गली व पूरे समाज में इस बीमारी को लेकर जो भातियाँ हैं उसे दूर करने में सहयोग करें।

कार्यक्रम में युवाओं को भूमिका को देखते हुए एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अन्तर्महा विद्यालयी/अंतर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएँ व संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नेशनल पीजी कॉलेज के नवनिर्मित सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के संयुक्त निदेशक रमेश चंद्र के संबोधन से हुई। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों ने कम समय में बेहतरीन ढंग से पेंटिंग, वाद-विवाद, नुक्कड़ जैसी प्रतियोगिता



में प्रतिभाग किया।

उन्होंने एचआईवी/एड्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसकी जांच निशुल्क है, बस जरूरत है कि हमारे युवा इस बात पर जागरूक हों कि एचआईवी के इन्फेक्शन को और न बढ़ने दें, तभी हम सही मायने में इस बीमारी से बचाव कर पाएंगे। उन्होंने

जानकारी दी और बताया कि सभी इस नंबर को डायल कर अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं। इस मौके पर नेशनल पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह ने बताया कि देश के विकास में युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा योगदान होता है। आज स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन पर युवाओं को

सही मार्गदर्शन की जरूरत है ताकि हम आगे चलकर विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकें। कार्यक्रम में एचआईवी/एड्स को लेकर बच्चों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी की और बेहद सहज तरीके एचआईवी/एड्स से बचाव के बारे में जानकारी दी। छात्र-छात्राओं को एक मैजिक शो भी दिखाया गया जिसमें मनोरंजन के साथ एचआईवी/एड्स से बचाव की बारीकियाँ भी बताई गईं। प्रतियोगिताओं में नेशनल पीजी कॉलेज, जय नारायण कॉलेज, शिवा पीजी कॉलेज, नवयुग एडि कॉलेजों ने प्रतिभाग किया। क्विज, वाद-विवाद और नुक्कड़ नाटक में पहले स्थान पर नेशनल पीजी कॉलेज के विद्यार्थी रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में शिवा पीजी कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में नवयुग कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। सभी विजेताओं को पुरस्कार राशि के साथ सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

देश दुनिया के प्रख्यात साहित्यकार गीतकार कवि डॉ विष्णु सक्सेना ने कुछ आश्रम में केक काट मनाया जन्मदिन

लखनऊ देश दुनिया के प्रख्यात साहित्यकार, गीतकार, कवि डॉ विष्णु सक्सेना ने कुछ आश्रम में केक काट अपना जन्मदिन मनाया साथ ही कुछ रोगियों को केक खिलाया। अपने बीच देश दुनिया के महान गीतकार को पाकर कुछ रोगियों के चेहरे खिल गए। इस अवसर पर डॉ विष्णु सक्सेना ने बताया कि आज अपने जन्मदिवस पर सप्लीक दोपहर को कछला घाट पर बने कुछ रोग से ग्रस्त रोगियों के कुछ आश्रम में गया। उनके बीच में लगभग 2 घंटे बिताए। उनकी यथोचित सेवा करके उनके बीच में ही केक काट कर उन सबको केक खिला कर जन्मदिन मना कर लौट आया। उस वक्त बहुत आनंद आया सभी लोगों हैपी बर्थ डे के साथ साथ सभी देवताओं के नाम के जयकारे लगाए। जितनी चमक उनके चेहरे पर थी उतनी ही संतुष्टि के भाव मेरे अंदर उभड़ रहे थे। पता नहीं क्यों एक बार को मेरी आंखे छलछला आईं। पूरे समय उनकी पत्नी बंदना सक्सेना प्राचार्य भी उपस्थित रही।

इंस्पेक्टर ने पुलिस फोर्स संग वाहनों की सघन चेकिंग



अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज पुलिस कमिश्नर एस बी शिरोडकर के निर्देश पर मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन आल आउट अभियान के तहत शुक्रवार की देर शाम इंस्पेक्टर आलोक राव ने एसएसआई बेचू सिंह यादव व कस्बा इंचांच विकास यादव समेत पुलिस फोर्स के साथ कस्बे के गोसाइगंज तिराहे पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर दो पहिया व चार पहिया वाहनो की चेकिंग कर चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाकर व दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाकर वाहन

चलाने की सख्त हिदायत दी इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कि ऑपरेशन आल आउट के तहत सघन चेकिंग अभियान चला कर अपराधियों की धरपकड़ के लिये दो पहिया व चार पहिया वाहनो की रूकवाकर सघन चेकिंग की गयी। चार पहिया वाहनो को रोक कर गाड़ी के अंदर एवं डिग्री खुलवाकर चेक किया गया। इस दौरान बिना सीट बेल्ट लगाये कार चला रहे लोगो को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने की सख्त हिदायत दी इंस्पेक्टर ने पुलिस फोर्स के साथ कस्बे में पैदल गश्त कर व्यापारियों व कस्बे के लोगो को सुरक्षा का अहसास कराया।

पशु आरोग्य मेले में 430 जानवरों का हुआ इलाज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय बहु उद्देशीय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। शुक्रवार को ग्राम मीठे नागर में पशु आरोग्य मेले में पहुंचे भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने गो पूजन कर फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विनय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है यहां पशुपालन का विशेष महत्व है तकनीकी के इस युग में भले ही खेती मशीनरी पर आधारित हो गई है किन्तु आज भी खेती में पशुओं का कम योगदान नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान भाई पशुपालन से दुग्ध उत्पादन करके अपनी आय बढ़ाने के साथ ही खेतों में गोबर की खाद का प्रयोग करके उत्पादन लागत कम कर सकते हैं। इससे एक तो मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा दूसरा खेतों में रासायनिक खाद का



पशु आरोग्य मेले का फीता काटते - विनय प्रताप सिंह

प्रयोग कम करने से भोजन की थाली विषमृक्त होगी। उन्होंने कहा कि सरकार भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। आरोग्य मेले में चिकित्सकों ने पशुपालकों को पशुओं में होने वाली बीमारी और उसके उपचार के बारे में बताया साथ ही 430 पशुओं का निशुल्क चिकित्सक इलाज व दवा वितरित की गई।

लापरवाही की भेंट चढ़ रहे गौवंश, भूख-प्यास और ठंड से तड़पकर मौत

कड़ाके की ठंड के चलते राममरोसे पशु आश्रय केंद्र

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट पशु आश्रय केन्द्रों का बुरा हाल है। गोशालाओं में मौजूद गौवंश ठण्ड में ठिठुरने के साथ मर रहे हैं। इन्हें न तो माल विकास खण्ड से सही से बचाव के लिये बोरों की व्यवस्था की गयी है, और न ही समुचित चारा मिल पा रहा है।

देखरेख के अभाव में गौवंश मर रहे हैं। मर रहे जानवरों का समय पर निस्तारण तक नहीं कराया जा रहा है। गोशालाओं में ही उन्हें कुत्तों को नौचने के लिये छोड़ दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने खुले में घूम रहे गौवंशों को संरक्षित करने के लिये अपना ड्रीम प्रोजेक्ट गांवों में लाखों रूपयों की लागत से गोशालाओं का निर्माण कराया था। ब्लाक के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पशु चिकित्सकों की लापरवाही के चलते यहां न तो उन्हें पड़ रही कड़ाके की ठण्ड से बचाव के लिये बोरों से बना



स्वेटर उपलब्ध कराया गया है, और न अलावा कोई व्यवस्था है। जबकि प्रदेश सरकार ने पूर्व में ही जादेश जारी कर गोशालाओं में मौजूद गौवंशों

को ठण्ड से बचाने के लिये बोरों की व्यवस्था करने के साथ टैनशेड को चारों तरफ से ढकने के निर्देश जारी किये थे। लेकिन ब्लाक के अधिकारियों की उदासीनता के चलते अभी तक पशु आश्रय केन्द्रों पर गौवंशों को ठण्ड से बचाने के लिये बोरों की व्यवस्था नहीं की गयी है। बोरों की व्यवस्था न होने से बेसहारा गौवंश ठण्ड में ठिठुरने को मजबूर हैं। पड़ रही कड़ाके की ठण्ड व ब्लाक अधिकारियों की उदासीनता एवं पशु चिकित्सकों की लापरवाही से माल विकासखंड की ग्राम पंचायत खडसरा में बने पशु आश्रय केन्द्र में 3 दिन से गोवंशों को नौच रहे जंगली जानवर व कुत्ते, अव्यवस्था का आलम यह है। प्राण जानकारों के अनुसार बीते एक सप्ताह के अंदर कई गौवंशों ने भयंकर जाड़े और बीमारी के चलते मर तोड़ दिया परंतु लापरवाह और सचिव ने अमानवीय रवैया आमतौर

हूए तीन गोवंशों के शवों को गेट के बाहर कुत्तों से नुचवाने के लिए फिकवा दिया। मामला जानकारी में आने पर कई स्थानीय मीडिया कर्मियों ने मौका मुआयना किया तो हकीकत सामने आ गयी।

बीडीओ ने मामले को नहीं दिया महत्व

बीडीओ माल से इस प्रकरण पर जानकारी प्राप्त करनी चाही गई तो उन्होंने अलग अंदाज में बात करते हुए कहा कि मुझे और भी काम रहते हैं। मैंने वीडियो कॉलिंग से देखा है कि एक गोवंश की मौत हुई है। जिसे विधिवत दफना दिया गया है। आप जो संख्या बता रहे हैं वह बिल्कुल गलत है।

सीडीओ ने फोन पर दी बीडीओ को हिदायत

इस प्रकरण पर मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन लखनऊ से बीडीओ माल से हुई वार्ता से अवगत करते हुए एक पक्ष जानने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने कहा कि खंड विकास अधिकारी का मीडिया कर्मियों से इस तरह का रवैया बिल्कुल अनुचित है। प्रकरण की जांच करवाकर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मौसम खराब होने के कारण लखनऊ आने - जाने वाली तीन उड़ानें रहीं रद्द

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार रात से शुक्रवार देर सुबह तक घना कोहरा छाया रहा। मौसम खराब होने के कारण इसका असर विमान सेवाओं पर भी पड़ा। स्थिति यह रही कि मौसम खराब होने के कारण राजधानी लखनऊ आने - जाने वाली तीन उड़ानें शुक्रवार को रद्द रह गईं। जबकि अन्य उड़ानें 1 से साढ़े चार घंटे तक विलंब रह गईं। हश्यता कम होने के कारण शुक्रवार को दिल्ली से सुबह 9 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान रद्द रही। इसी तरह रायपुर से दोपहर 2:45 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान और लखनऊ से सुबह 8:30 बजे रायपुर जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान भी रद्द कर दी गई। वहीं ज्यादातर विमान कई - कई घंटे विलंब रहे। इसमें चंडीगढ़ से सुबह 8:15 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान करीब 4:30 घंटा देरी से लखनऊ पहुंच सकी। गुवाहाटी से दोपहर 1:40 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान शाम 5:45 पर लखनऊ पहुंची। वहीं जयपुर से दोपहर 1:50 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान अपराह्न करीब 3:40 बजे लखनऊ पहुंची। इसी प्रकार दिल्ली से शाम 5:45 पर लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान 6:35 बजे पहुंच सकी। उधर लखनऊ से रात 2:05 बजे दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब 4 घंटा देरी से शुक्रवार सुबह 6 बजे रवाना हुई।

लखनऊ से सुबह 4 बजे मस्कट जाने वाली सलाम एयर की उड़ान करीब 3 घंटा देरी से रवाना हुई। इसी तरह लखनऊ से सुबह 5:40 बजे दुबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब सवा घंटा देरी से उड़ान भर सकी। लखनऊ से सुबह 7:35 बजे दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान पूर्वाह्न 10:45 बजे रवाना हुई। इसी प्रकार लखनऊ से सुबह 9:05 बजे गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो की उड़ान दोपहर 1:42 बजे टेक ऑफ कर सकी। लखनऊ से सुबह 9:10 बजे बंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान पूर्वाह्न 11:20 बजे उड़ान भर सकी। जबकि लखनऊ से सुबह 9:30 बजे इंदौर जाने वाली इंडिगो की उड़ान 11:17 बजे रवाना हुई। वहीं लखनऊ से सुबह 10:25 बजे

इलाहाबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान 12:46 बजे रवाना हुई। लखनऊ से दोपहर 1:50 बजे मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 2:53 बजे रवाना हुई। लखनऊ से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो की उड़ान अपराह्न 2:10 बजे के बजाय शाम 6:30 बजे रवाना हुई। लखनऊ से 3:30 बजे गोवा जाने वाली इंडिगो की उड़ान शाम 5:40 बजे उड़ान भर सकी। जबकि लखनऊ से शाम 4:30 बजे मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6:55 बजे रवाना हुई। इसके अलावा लखनऊ आने - जाने वाली अन्य उड़ानों में भी एक से दो घंटे विलंब रह गईं। उड़ानों की लेट लतीनी के कारण यात्रियों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

एयरपोर्ट पहुंचे एयर इंडिया उड़ान के यात्री का लगेज एयरलाइन्स कर्मचारियों की लापरवाही से बदल गया

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। करीब एक माह पहले दुबई से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे एयर इंडिया उड़ान के एक यात्री का लगेज एयरलाइन्स कर्मचारियों की लापरवाही से बदल गया। जिससे परेशान यात्री पिछले 1 माह से लगातार लखनऊ एयरपोर्ट के चक्कर लगा रहा है। लेकिन एयरलाइंस द्वारा अभी तक उसका लगेज नहीं दिया गया। इसको लेकर पीड़ित यात्री ने सरोजनीनगर पुलिस से लिखित शिकायत की है। कुशीनगर जिले के दहरी पट्टी गांव निवासी अमजद अंसारी के मुताबिक वह बीते 11 दिसंबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 194) के जरिए दुबई से लखनऊ एयरपोर्ट आया था। अमजद का कहना है एयरपोर्ट

पहुंचने के बाद काफी देर तक एयरलाइंस कर्मचारियों ने उसका लगेज नहीं दिया। काफी देर बाद उसे बताया गया कि उसका लगेज बदल गया है। इस दौरान कुछ दिनों बाद उसका लगेज देने की बात कही गई लेकिन अमजद का कहना है कि उसके बाद से वह कई बार लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचकर एयरलाइंस अधिकारियों / कर्मचारियों से लगेज मांग चुका है। लेकिन एयरलाइन्स अधिकारी/ कर्मचारी उसे लगेज देने के बजाय ना कोई सही जवाब तक नहीं दे रहे। बल्कि बार-बार किसी न किसी बहाने टालते रहते हैं। अमजद का कहना है कि उसके लगेज में मोबाइल और लैपटॉप सहित करीब डेढ़ लाख रूपए कीमत का सामान था। परेशान अमजद अंसारी ने इसकी शिकायत सरोजनीनगर थाने की एयरपोर्ट चौकी पर की है।

दो पक्षों में जमकर मारपीट, तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीते गुरुवार की देर रात शराब के नशे में धुत होकर तेज रफ्तार में बाइक लेकर निकले युवक को टोककर एक परिवार को महंगा पड़ गया ? गाली-गालीज से दोनों पक्षों में शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते कुछ देर में खूनी संघर्ष में बदल गया और दोनों पक्षों के डेढ़ दर्जन लोग धारदार हथियार व लाठी-डंडो से लैस होकर आमने-सामने आ गये और जमकर मारपीट हुयी जिसमें



कई लोग घायल हो गये। मोहनलालगंज के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया उसके बेटे ने गुरुवार की रात तेज रफ्तार में नशे में धुत होकर दरवाजे से बाइक लेकर निकले पड़ोसी युवक को टोक दिया। जिसके बाद पड़ोसी बब्बू अपने भाई निलेश, शिलेश अपनी मां शिवकली, अक्षयलाल, पंकज निवासीगण रानीखेड़ा व शिवा, आकाश, अर्जुन समेत आधा दर्जन अज्ञात के साथ मिलकर लाठी डंडो व धारदार हथियार से लैस होकर घर में घुस आये और बेटे पर जान से मारने की नियत से धारदार हथियार से क ई वार किये इस दौरान बीच बचाव को आयी बेटी से मारपीट कर छेड़छाड़ की ? वही दूसरे पक्ष की शिवकली ने प्रथम पक्ष के चार लोगो पर बेटे की धारदार हथियार से पिटाई कर जेब में रखे 50 हजार रूपए निकाल लिये और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया दोनो पक्षों के द्वारा दी गयी तहरीर पर मारपीट, छेड़छाड़, बलवा, एससी/एसटी 1 एक्ट समेत अन्य धाराओं में क्रास एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन मोहनलालगंज में भी दीप उत्सव मनाते की तैयारी

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन मोहनलालगंज कस्बे के बाला जी मंदिर परिसर को झालरों और फूलों से सजना, संगीतमय सुंदरकांड से होगी शुरुआत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन को लेकर जहां एक ओर प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया में लोग उत्साहित दिख रही है वहीं इसको लेकर मोहनलालगंज कस्बे के लोग भी उस दिन अयोध्या न पहुंचने पर कस्बे के बाला जी मंदिर में अभी से तैयारी में जुट गए हैं और प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन यहां के मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद दिवाली मनाने के लिये लोगो को आमंत्रित कर रहे है इसको लेकर बकायदा मंदिर समिति ने अपनी कमेटी की बैठक कर सारी तैयारियों में जुटे हुए है। कमेटी के अखिलेश द्विवेदी ने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन कस्बे के कालेबीर

मंदिर परिसर को पूरी तरह झालरों से सजाकर बालाजी मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा इसके बाद आरती पूजन पूरे मंदिर परिसर में मिट्टी के दीपकों को जलाने के साथ आतिशबाजी भी जाएगी। आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जायेगा इसके लिये समिति ने सभी सदस्यों को अवगत करा दिया गया। और मंदिर में आयोजन दीप जलाने के लिये सम्मिलित होने के लिये अभी से आमंत्रित किया जाना शुरू कर दिया गया। समिति के मनोज यादव ने बताया कि मंदिर के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अभी से ही कारीगर और मिट्टी के दिवो के लिये ऑर्डर कर दिया गया इसके साथ पहले से मंदिर को फूलों से सजाने का अभी से ऑर्डर दे दिया गया है। वहीं प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन मंदिर के कार्यक्रम में शामिल होने के लिये परिवार सहित लोगो को आमन्त्रण भेजा जा रहा है।

अक्षत कलश यात्रा निकालकर भक्तों ने लगाए जय श्रीराम के जयकारे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला का भव्य मंदिर बनने के बाद 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर देशभर में आयोजित की जा रही अक्षत कलश यात्रा इसी क्रम में शुक्रवार को माल विकासखंड के ग्राम पंचायत तिलन से हिन्दू जागरण मंच सह संयोजक संतोष सिंह की अगुवाई में पूजित अक्षत शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ श्री राम जयकारों के साथ निकाली गयी। ग्राम चौसझा, ठटिया, गदिया खेड़ा होते हुए विभिन्न मुख्य मार्गों से निकलते हैं। जिसका समापन अटेर मां बराही देवी मन्दिर में अक्षत यात्रा का स्वागत किया गया। क्षेत्र के लोगों ने पवित्र अक्षत के दर्शन करके धर्म



लाभ कमाने का काम किया। संतोष सिंह ने अक्षत कलश का स्वागत कर बताया कि यह पूजित अक्षत श्री राम जन्मभूमि से आए हैं। इस समय पूरे देश दुनिया में पूजित अक्षत भिजवाए गए हैं। अक्षत पूजन कलश यात्रा के दौरान भारी भीड़ देखने को मिली। अक्षत कलश

स्वागत के दौरान विश्व हिंदू परिषद जिला कार्यध्यक्ष भूपेंद्र हिन्दू, सतीश शास्त्री, अवधेश, मनोज, राम शंकर टेलर, राजन सिंह, अंजुल सिंह, रघुराज सिंह, पूर्व प्रधान दिनेश सिंह, समर्थ ठाकुर, मोहित सिंह, विकास मौर्य, रामसेवक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संक्षेप

कड़के दार ठंड में गरीब असहाय लोगों को दिए गए कम्बल

पुरवा, उन्नाव। गरीब असहायों, बेसहारा लोगों को सम्पूर्ण महिला उद्योग समिति द्वारा नगर के मोहल्ला शीतलगंज में कंबल वितरित किया गए। नगर के मोहल्ला शीतलगंज में सम्पूर्ण महिला उद्योग समिति की प्रदेश अध्यक्ष साधना तिवारी, किन्नर प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रागनी किन्नर, ने लगभग 250 महिलाओं को कंबल वितरित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक प्रतिनिधि मोहन सिंह, संतोष सिंह, भाजपा जिला मंत्री डॉ रजनीश वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव, रमेश, आशिक अली, रजोल अवस्थी, आदि लोग मौजूद रहे। वहीं सभी आदि हुए आतिथियों का माला व अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही सम्पूर्ण महिला उद्योग समिति के तीन महिला पदाधिकारी बनाई गईं जिन्हें किन्नर प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रागनी किन्नर व सम्पूर्ण महिला उद्योग समिति की प्रदेश अध्यक्ष साधना तिवारी द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालक धर्म सिंह घायल ने किया।

22 जनवरी को अयोध्या भेजे जायेंगे जनपद से सुरक्षा के लिए लगभग 160 पुलिस कर्मी

उन्नाव। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रदेश के सभी जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। इसको लेकर उन्नाव में भी पुलिस अफसर सतर्क हो गए हैं। दिन-रात बॉर्डर सीमाओं पर गहनता से चेकिंग कर रहे हैं इसी बीच उन्नाव से करीब 160 पुलिसकर्मी अयोध्या भी भेजे गए हैं। जो 22 जनवरी को सुरक्षा व्यवस्था की सीमा संभालेंगे। उन्हें पुलिस लाइन परिसर में अपर पुलिस अधीक्षक ने रवाना होने से पहले कई बातों को लेकर ब्रीफ किया है। ड्यूटी में लापरवाही न बरतने की बात कही है। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जिले की फोर्स भी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगी। अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग पहुंचेंगे। इसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाना एक चुनौती होगी। प्रदेश के कई जिलों से फोर्स अयोध्या भेजी जा रही है। इसी कड़ी में जिले में तैनात पुलिस कर्मियों की भी ड्यूटी अयोध्या में लगा दी गई है। एएसपी अखिलेश सिंह ने बताया कि इसके लिए एक सीओ, 11 इंस्पेक्टर, 21 दरोगा, 5 महिला उपनिरीक्षक, 104 आरक्षी, 18 महिला आरक्षी की ड्यूटी अयोध्या में लगाई गई है। पुलिस लाइन कैम्प से ड्यूटी पर जाने वाले पुलिस कर्मियों को एएसपी ने ब्रीफ किया। 12 जनवरी से पुलिस कर्मी ड्यूटी पर मुस्तैद रहेंगे। 31 जनवरी के बाद ही फोर्स जिले वापस आएगी। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्नाव में पुलिस सतर्क हो गई है। प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों के आसपास पुलिस और खुफिया विभाग की टीम लगातार सक्रिय है। पुलिस आने जाने वाले लोगों पर गहनता से नजर रख रही है। संदिग्ध की जांच पड़ताल कर रही है।

जन जन तक पहुंचे योजनाओं का लाभ विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त सचल वाहनों द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा संचालित की जा रही है। यह यात्रा जनपद के 06 विकास खण्डों की 18 ग्राम पंचायतों में संचालित की जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कि ग्राम पंचायत में निवासित जन समूह को जनपद में संचालित योजनाओं का लाभ -जन तक पहुंचाना। विकसित भारत संकल्प यात्रा की आज की कड़ी में जनपद में नवाबगंज, विछिया, असोहा बांगरमऊ, बीधापुर एवं एफ-चौरासी विकास खण्डों के ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजित सभी विकास खण्डों में लगभग 21000 स्थानीय निवासियों ने प्रतिभाग कर वर्ष 2047 भारत देश को विकसित करने का संकल्प लिया।

कारागार मंत्री ने जिला जेल का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने शुक्रवार को उन्नाव जिला जेल पहुंचकर निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान जेल के अंदर बंद कैदियों से संवाद स्थापित किया। उनको हनुमान चालीसा, सुंदरकांड की पुस्तक भेंट की है। ठंड को देखते हुए कंबल वितरण भी किया। उन्होंने कैदियों से वार्ता की।

उनकी समस्याओं को समझा गया। कुछ कैदी ऐसे भी हैं जिनके परिजन उनसे मिलने नहीं आते हैं। उनके लिए व्यवस्था कराई गई है। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्तर प्रदेश के जेल में लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इस अवसर के साक्षी जेल में बंद कैदी भी बनेंगे मंत्री ने कहा कि देखिए सदी का मौसम है। उत्तर प्रदेश के हर जेलों में 100-200 ऐसे कैदी होते हैं जिनसे उनके परिजन मिलने नहीं आते हैं। उन कैदियों के लिए विशेष रूप से अभियान चलाकर उनको गर्म कपड़े दे रहे हैं। उन्नाव में भी कुछ बंदी ऐसे थे

महासभा का प्रदेश सचिव के पद किया गया चयन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने संगठन को प्रभावित बनाने के लिए नगर के मोहल्ला पश्चिमटोला के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र नाथ द्विवेदी को महासभा का प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया जाने पर क्षेत्रीय लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद थे। नव नियुक्त प्रदेश सचिव पूर्व चेयमैन पति योगेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आज के परिवेश में ब्राह्मण समाज को जागरूक होने की जरूरत है संगठन को सशक्त



जिसके कोई मिलने नहीं आता है उनको भी कंबल वितरण किया गया है हर जेल में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पुस्तक को भी वितरित किया जा रहा है। इसके पीछे का राज यह है कि जेल में जो कैदी हैं उनके पास बाहर का कोई संवाद नहीं होता है। कोई चर्चा नहीं होता है। कोई काम नहीं होता है। आपस में बंदियों से एक दूसरे के केश की चर्चा करते हैं। दिमाग में यह है कि जब वह कैदी 10-15 साल इस पर चर्चा करते रहेंगे न्यायालय से बाहर जाते हैं तो वह चर्चा उससे दूसरी गलती ना कर दे। उस चर्चा से बचाने के लिए सुंदरकांड का वितरण करता हूँ। नियमित सुंदरकांड करने वाले व्यक्ति

को डेढ़ घंटा लगता है। नए व्यक्ति को 2 घंटे से ज्यादा लगेंगे। अध्यात्म की ओर दिमाग जाएगा तो कम से कम वह गलत चर्चाओं से बचेगा। अपराध की चर्चाओं से भी बचेगा। यही हमारा प्रयास है। वहीं जेल के अंदर बंदियों से काम करने के सवाल पर कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मुझे ज्यादा कोई मंत्री भ्रमण करने वाला भी नहीं होगा। ऐसी कोई शिकायत मिलेगी तो हम सख्ती कर इसकी जांच करेंगे। मेरा मकसद यह भी है कि मैं जब जेल में जाता हूँ तो कैदियों से संवाद भी करता हूँ कि उनके परिवार की परिस्थितियों को उनके सामने रखता हूँ। कई कैदी भावुक भी होते हैं। इस समय में संकल्प

करता हूँ। उन्नाव जेल में भी कैदियों ने संकल्प किया है कि जब हम बाहर जाएंगे तो कोई भी अपराधिक कार्य नहीं करेंगे। राम मंदिर में विपक्ष के द्वारा निमंत्रण अस्वीकारजब हम बाहर जाएंगे तो कोई भी अपराधिक कार्य नहीं करेंगे। राम मंदिर में विपक्ष के द्वारा निमंत्रण अस्वीकार करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता जान चुकी है हमारे देश की जनता बहुत समझदार है।

इसका जवाब देश की जनता आने वाले समय में दे देगी। उन्नाव की जिला जेल में गाय के गोबर से बन रहे दीए को लेकर चर्चा की। कहा कि हजारों की संख्या में यह दीए अयोध्या जाएंगे। उत्तर प्रदेश की जेल में 22 तारीख को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लाइव भी दिखाया।

500 वर्षों से ज्यादा समय के बाद यह अवसर आया है। पूरा देश इसका साक्षी बन रहा है। हमारे कैदी भी देश के जात हूँ तो कैदियों से संवाद भी करता हूँ कि उनके परिवार की परिस्थितियों को उनके सामने रखता हूँ। कई कैदी भावुक भी होते हैं। इस समय में संकल्प

पत्नी के वियोग में युवक ने फांसी लगाकर दी अपनी जान

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। शुक्रवार को ग्राम बैगांव में 25 वर्षीय युवक ने आम के पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के समय पत्नी मायके में थी। कोतवाली पुलिस ने शव को पंचायतनामा बाद विच्छेदन गृह भेजा है।

कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम बैगांव के कमलेश कुमार लोधी के 25 वर्षीय रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के समय पत्नी मायके में थी। कोतवाली पुलिस ने शव को पंचायतनामा बाद विच्छेदन गृह भेजा है।



कोतवाली पहुंच कर बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिससे ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह गांव से करीब पांच सौ मीटर दूर स्थित अपनी ही आम की बाग में खड़े आम के पेड़ पर नायलन की रस्सी के सहारे फंसे शव देखा। जिससे गांव में हड़कंप मच

राज्यपाल व पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री की जयंती उनके जन्मस्थली में धूम धाम से मनाई गई

अमन लेखनी समाचार

सफ़ीपुर, उन्नाव। पदम विभूषण, पूर्व राज्यपाल, पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री रहे पंडित उमा शंकर दीक्षित की 123वीं जयंती उनके गृह नगर

कस्बा ऊगू स्थित ज्वालदेवी दीक्षित बालिका विद्यालय में बड़े धूम धाम से मनाई गई इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची आरती बाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पण कर उन्हें याद किया तथा इसी क्रम में विद्यालय में मौजूद शिक्षकों व नगर के वरिष्ठजनों के साथ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका जन्मदिन मनाया साथ ही अपने संबंधीयों में आरती बाजपेयी ने दवा के किये कार्यों को मौजूद छात्रों को बताया व सभी को उन्हीं के मार्गों पर चलने का संकल्प भी दिलाया और

आशवाशन दिलाया कि विद्यालय संबंधी जो भी समस्या होगी उनको हल करवाने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे। इस मौके पर राजीव बाजपेयी पूर्व चेयमैन अनजुन दीक्षित विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू सिंह, प्रकाश चंद्र

योजनाओं से कोसो दूर ग्रामीण पंचायत भवनों में लटकता रहता ताला

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। विकास खंड के पंचायत भवनों को हाईटेक बनाने की योजना सफल नहीं हो पा रही है। पंचायत भवनों में ताला लटक रहे हैं और जिम्मेदार गायब है, जिससे क्षेत्र के प्रधानों में भी पंचायत सहायक की लापरवाही से रोष बढ़ता जा रहा है। फतेहपुर चौरासी विकास खण्ड की ग्राम खानपुर कुरौली में बने पंचायत भवन में शासन से उपलब्ध कराई गई सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्राम प्रधान जिज्ञासु पांडेय ने बताया कि आज पूर्वान्ह ग्यारह बजे के बाद जब कई ग्रामीणों के साथ पंचायत भवन जाया गया तो वहां ताला बंद था। पंचायत सहायक के बारे में मालुम हुआ कि वह बांगरमऊ गई है। ग्राम प्रधान के अनुसार ग्राम पंचायत में जिस मंशा के अनुरूप पंचायत सहायक की नियुक्ति



की गई है वह कार्य नहीं हो पा रहा है। उनके अनुसार ग्राम पंचायत की पंचायत सहायक पंचायत भवन नहीं खोल रही हैं, न ही सुविधाएं दे रही हैं। जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत में सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा का आगमन होगा, जिसकी तैयारी में होने वाली अर्चनों का सामना भी पंचायत

भवन बन्द रहने से हो रहा है। ग्राम पंचायत की सचिव गरिमा शुक्ला ने बताया कि पंचायत सहायक को जो भी काम बताया जाता वह विभागीय कार्य में सहयोग करती है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत हेमन्त कुमार ने इस सम्बंध में बताया कि ग्राम पंचायत की इस स्थिति और समस्या की जानकारी मिली है शीघ्र ही इसका निराकरण किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश से अकेले अपना स्थान बनाकर कस्बे के लाल ने जनपद का नाम किया रोशन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र के कस्बा ऊगू निवासी एक छात्र ने तेरहवें राष्ट्रीय भारतीय छात्र संसद के महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय लोकतंत्र में सोशल मीडिया तथा ए आई की भूमिका विषय में भाग लेकर लगभग दस हजार छात्रों ने उत्तरप्रदेश से अकेले अपना स्थान बनाकर चुने गए जिसकी सूचना कस्बे में पहुंचने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। कस्बा निवासी पंडित ऋषि कांत मिश्रा का पुत्र ऋषि वैभव मिश्रा बनारस के हिन्दू विश्वविद्यालय का छात्र है। उसने पुणे में दस से बारह जनवरी तक आयोजित हुए राष्ट्रीय भारतीय छात्र संसद में भाग लिया जिसमें देश के लगभग दस हजार छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिसमें युवाओं ने युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने, तथा लोकतंत्र में भागीदारी, महिला सुरक्षा, सोशल मीडिया के उपयोग, लोकगीत, सांस्कृतिक संभारण आदि विषयों पर विचार व्यक्त किये गए। इसमें ऋषि वैभव मिश्र ने भारत को विश्व गुरु बनाने की बात करके युवाओं को प्रोत्साहित किया जिसपर उनको उत्तर प्रदेश से प्रतिनिधि के रूप चुना गया। इसकार्यक्रम में पूर्व उप राष्ट्रपति वैकुण्ठ नायडू, अनेक राजनेता, शिक्षा विद तथा देश के विभिन्न राज्यों से आये छात्रों ने भाग लिया।



ठंड से बेहाल गौशाला में मवेशी ईओ साहब अपनी मस्ती में मस्त

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कस्बा मोहान और न्योतनी नगर पंचायत के ईओ संतोष चौधरी की सरकार विरोधी कार्य से गोशाला में बंद गोवंशियों को ठंड से बचाव और हरे चारे की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही। जबकि दूसरी तरफ ईओ छप्पन भोग खाना खाने लखनऊ होटलों में जाते हैं। चर्चा है कि रात होते ही ईओ टल्लनी भी हो जाते हैं। जिससे ईओ की लापरवाही से मोहान में बस्ती, सड़क, चौहाने आसपास खेतों में 300 से अधिक गोवंश झुंड में घूम घूम कर राहगीरो और कस्बेवासियों के लिए परेशानी बने हुए हैं। मोहान गोशाला में ठंड से बचाव के लिए न अलाव की व्यवस्था है न ही उद्दाने के लिए झाल के इंतजाम किए गया। चारे



के नाम पर सिर्फ सुखा भूसा ही दिया जा रहा। वहीं हाल न्योतनी गोशाला का है जहां हरे चारे के लिए चरही तक इंतजाम नहीं किया गया जिससे प्लास्टिक के डिब्बों में सुखा चारा पड़ा मिला। कुछ डिब्बे गिरे दिखाई दिए जिससे भूसा भी बिखर जाने से

गोवंशीय भूखे दिखाई दिए। ठंड से बचने के लिए बारे की झाल नहीं होने से कांपते दिखे। जबकि ग्रामीणों का आरोप है कि ईओ चारे का पैसा बचाकर आप दिन लखनऊ में महंगे महंगे होटलों में छप्पन भोग खाना खाने जाते हैं। जबकि गायों को सुखा भूसा दिया जा रहा। जिससे गोवंशीय भूखे मरने को मजबूर किए का रहे। ईओ संतोष चौधरी ने बताया कि छप्पन भोग क्या गायों के लिए बनाया जाता है गोशाला में बंद हो तो सुखा भूसा ही मिल रहा। जो बाहर घूम रहे उनको तो भूसा भी नहीं मिल रहा। ठेकेदार साथी हैं वही लखनऊ घुमाने ले जाते हैं तो न जाए क्या।

कॉलेज के स्वयंसेवक करेंगे 27 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रतिनिधित्व



अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 27 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन दिनांक 12 से 17 जनवरी 2024 तक महाराष्ट्र के नासिक में किया जा रहा है। हर्ष का विषय है कि डी एस एन, कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के 2 स्वयंसेवक शिवांगी मिश्रा एवं आदर्श पांडे राष्ट्रीय युवा महोत्सव में उत्तर प्रदेश की टीम के साथ

प्रतिनिधित्व करेंगे। एन एस एस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ रचना त्रिवेदी ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दे कर स्टेशन पहुंचाया। सदर् विधायक पंकज गुप्ता, महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ मानवेन्द्र सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रदीप गुप्ता, एनसीसी के ए एन ओ लोफ्टिनेंट डॉ विपिन सिंह, लाइब्रेरी साईंस विभाग के अध्यक्ष डॉ मनीष त्रिपाठी जी ने बच्चों को बधाइयां दी।

राम कथा का आनंद तमी है जब वक्ता और श्रोता दोनों सुर, लय, ताल मिलाकर कथा का रसपान करें

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कथा वाचक ने कहा अगर प्रेम प्रकट हो जाए तो परमात्मा खुद प्रकट हो जाएंगे प्रेम के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। हनु चक्रुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई चौपाई के माध्यम से बताया कि प्रभु श्रीराम स्वयं सत्य के कब्जे में है। परंतु सत्य भगवान श्रीकृष्ण के कब्जे में है क्योंकि कृष्ण महा सत्य है देवी दीक्षा ने प्रसंग को विस्तारित करते हुए कहा कि विषयी लोग सदैव असत्य के कब्जे में रहते हैं। वे सदैव झूठ ही बोलते हैं। उन पर असत्य हावी हो जाता है। साधक सत्य व असत्य दोनों के कब्जे (वश) में होते हैं। इसलिए जब साधक पर सत्य हावी रहता है, तब तक तो ठीक है परंतु असत्य हावी होते ही उसे समस्या होती है। वह ना चाहते हुए भी असत्य बोलने लगता है। कथा सुनने पहुंचे बाल आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी बाल कल्याण समिति अध्यक्ष न्यायपीठ प्रीति सिंह उपहार फाउंडेशन अध्यक्ष आरती यादव उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन अध्यक्ष अमित मिश्रा साई मंदिर संस्थापक सुनेंद्र वर्मा व भक्तगण मौजूद रहे।



डीएम की अध्यक्षता में कराई गई ई-लाटरी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास भवन सभागार में जनपद में संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, नेशनल मिशन ऑन एडिडविल आयल, इन-सी-टू एवं सब मिशन ऑन एग्रिकल्चर मैकेनाईजेशन योजना के तहत रुपया दस हजार से अधिक अनुदान वाले यन्त्रों की ई-लाटरी जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे की अध्यक्षता में करायी गयी। ई-लाटरी का आयोजन जिलाधिकारी द्वारा गठित अध्यक्ष सहित 15 सदस्यीय समिति के सदस्यों डा मुकुल तिवारी उप कृषि निदेशक उन्नाव सदस्य सचिव, सुरेन्द्र राम भास्कर सह सचिव सदस्य, कुलदीप मिश्रा जिला कृषि अधिकारी सदस्य, नामित प्रातिशाली कृषक विकास सिकन्दर पुर करन से चन्द्र कुमार पटेल, विकास खण्ड बीधपुर के बृजेन्द्र प्रताप सिंह, विकास खण्ड मियागंज से अनिल मिश्रा विकास खण्ड सिकन्दर पुर सिरौसी के अरविंद

कुमार, विकास खण्ड बांगरमऊ के सुधीर कुमार, स्वयंसेवायत समूह के प्रतिनिधि आशा रानी एवं विपिन कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र चौरा अभियांत्रिकी वैज्ञानिक अभियन्ता रमेश मोर्या, नावार्ड के सुनील कुमार वर्मा एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नव प्रभात रंजन विशेष सदस्यों एवं आर के सिंह उप कृषि निदेशक भूमि संरक्षण तकनीकी मुख्यालय कृषि भवन लखनऊ के समक्ष पूर्ण की गयी। ई-लाटरी के माध्यम से कृषि यन्त्रों के अनुदान वितरण व्यवस्था पहली बार की गयी। जिलाधिकारी ने किसानों के उत्साह को देखते हुए इस व्यवस्था की सराहना की और बताई की यह व्यवस्था पूर्णतया पारदर्शी है क्योंकि की ई-लाटरी विकास खण्डवार उपस्थित कृषकों के समक्ष उनके द्वारा बताए गये पांच अंकों वाला रैन्डम नम्बर से प्रति यन्त्र की ई-लाटरी पांच चरणों चार मांक एवं पांचवें चरण में चयनित कृषक को अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। प्रति यन्त्र दो कृषकों

का चयन ई-लाटरी के माध्यम से हुआ है यदि किसी कारण बस प्रथम चयनित कृषक यन्त्र लेने में मानकों अनुरूप नही होता तो द्वितीय चयनित कृषक को अवसर दिया जायेगा। ई-लाटरी की प्रक्रिया जनपद के सभी विकास खण्डों से क्रमवार लगभग 750 किसानों का ई-लाटरी के माध्यम से अनुदान के लिए चयन हुआ है वे किसान भाई 2 फरवरी 2024 तक कृषि यंत्र का क्रय करके अपना बिल कृषि विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से अपलोड कर दें जिससे की समय से अनुदानित धनराशि उनके पंजीकृत खातों में भेजा जा सके। यदि कृषक बन्धु समय से बिल वेबसाइट पर अपलोड नहीं करते हैं तो उनका चयन स्वतः निरस्त हो जायेगा और अनुदान का लाभ प्रतीक्षित कृषक को मिल जायेगा।

चिंतन

‘कार्बन टैक्स’ लगाना व्यवहारिक विचार नहीं

कार्बन उत्सर्जन में कमी वैश्विक दायित्व है। अमेरिकी व यूरोपीय विकसित देशों ने अतीत में अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन कर आज के लिए वैश्विक संकेत खड़ा कर दिया है। इसलिए उनका दायित्व है कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए किए जा रहे प्रयासों में वे विकासशील देशों की जरूरतों के अनुरूप मदद करें और हर्जाना भी भरें। विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों पर कार्बन टैक्स लगाने का विचार नहीं करना चाहिए। भारत और चीन को अक्सर कार्बन उत्सर्जन के लिए निशाना बनाया जाता है, जबकि दुनिया की वर्तमान स्थिति यूरोपीय व अमेरिकी देशों द्वारा अंधाधुंध औद्योगिकीकरण का नतीजा है। जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए सीओपी-28 में किसी फैसले पर सहमति से पहले ही कार्बन टैक्स जलवायु लड़ाई में तब्दील हो गया है। यूरोपीय संघ भारत और चीन जैसे देशों से आयातित सामान बनाने के लिए उत्सर्जित कार्बन प्रदूषण पर टैक्स लगाने की योजना बना रहा है, इससे दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में जलवायु लड़ाई की नई बहस छिड़ गई है। गरीब देशों का तर्क है कि कार्बन टैक्स आजीविका और आर्थिक विकास को नुकसान पहुंचाएगा। कार्बन सीमा समायोजन तंत्र के रूप में जाना जाने वाला यह टैक्स गैर-ईंधू देशों में लोहा, स्टील, सीमेंट, उर्वरक और एल्यूमीनियम जैसे ऊर्जा-गहन उत्पादों को बनाने के लिए उत्सर्जित कार्बन पर एक मूल्य निर्धारित करना चाहता है। यूरोपीय संघ का कहना है कि यह घरेलू स्तर पर निर्मित वस्तुओं के लिए समान अवसर पैदा करता है, जिन्हें सख्त हरित मानकों का पालन करना होता है और आयात से उत्सर्जन भी कम होता है। यूरोपीय संघ को भारत व चीन की चिंताओं को समझना चाहिए, क्योंकि इस टैक्स से विकासशील देश की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान होगा और इस गुट के साथ व्यापार करना बहुत महंगा हो जाएगा। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के एक हलिया अध्वनयन में पाया गया कि उत्सर्जित कार्बन पर प्रति टन 44 अमेरिकी डॉलर का टैक्स लगाने से आपूर्ति श्रृंखला से प्रदूषण आधा हो जाएगा। यह भी अनुमान लगाया गया है कि अमीर देश टैक्स से 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर कमाएंगे, लेकिन गरीब देशों को 5.9 अरब अमेरिकी डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। अमेरिका और कनाडा जैसे देश भी कार्बन टैक्स के अपने स्वयं के मॉडल पर विचार कर रहे हैं, जो कि विकासशील देशों पर भारी पड़ सकता है। भारत सरकार इस विचार का कड़ा विरोध करने वाली में से एक है। भारत का कहना है कि उद्योगों को निर्यात और घरेलू सामान दोनों के लिए कार्बन उपयोग कम करने के लिए निवेश करने की आवश्यकता है। स्टेट ऑफ क्लाइमेट एक्शन 2023 रिपोर्ट से पता चला है कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए आवश्यक लगभग हर नीति पर दुनिया बहुत पीछे है जलवायु परिवर्तन के बुरे प्रभावों से बचने के लिए कोयले को सात गुना तेजी से समाप्त किया जाना चाहिए, वनों की कटाई को चार गुना तेजी से कम किया जाना चाहिए और दुनिया भर में सार्वजनिक परिवहन को वर्तमान की तुलना में छह गुना तेजी से बनाया जाना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा पर प्रगति और इलेक्ट्रिक वाहनों के चलने के बावजूद, देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती के लिए आवश्यक लगभग हर नीति में पीछे रह रहे हैं। कार्बन उत्सर्जन में कटौती को लेकर गंभीर होने की आवश्यकता है और किसी भी प्रकार का कार्बन टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए, वरना तापमान में कटौती का वैश्विक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा।



विश्लेषण

डॉ. ए.ए.एस. यादव

अब एक बार फिर भारत की तीनों सेनाओं की ताकत बढ़ाने का कदम उठाया गया है। 30 नवम्बर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व वाली डिफेंस एक्वीजिशन काउंसिल यानी डीएसी की बैठक में भारतीय सेनाओं की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए कुछ विशेष निर्णय लेते हुए नए हथियारों की खरीदारी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से देश को जल्द ही नए तेजस लड़ाकू विमान, हमलावर हेलीकॉप्टर प्रचंड, नया विमानवाहक पोत, माउंटन गन सिस्टम तथा मिसाइलों जैसी नए हथियार मिल जाएंगे। डीएसी ने इन नए हथियारों की खरीद-फरोख्त की मंजूरी दे दी है। ये सभी हथियार चीन व पाक की सीमा पर युद्ध के समय दुश्मन सेना के छक्के छुड़ाएंगे।

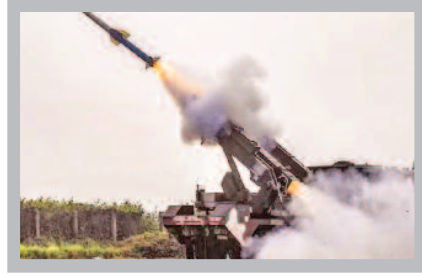
रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता

भारत को सशस्त्र सेनाएं अब दुनिया में अत्यन्त ताकतवर सैन्य बलों के रूप में गिनी जाने लगी हैं, क्योंकि अब इनकी ताकत में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। सैन्य क्षेत्र में अधिक ताकतवर बनने के प्रयास वर्ष 2020 में तब शुरू कर दिए गए जब पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में चीनी सेनाओं के साथ भारतीय जवानों की हिंसक झड़प हुई थी। उल्लेखनीय है कि जून में हुई इस झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे। इस घटना के बाद से भारत ने चीन सीमा पर सैन्य तैनाती ही नहीं बढ़ाई बल्कि बुनियादी ढांचे को भी बढ़ाया। इसके अलावा सैन्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए मेक इन इंडिया पर अधिक जोर दिया गया। अब भारत न सिर्फ अपने लिए रक्षा के उपकरण और अत्याधुनिक हथियार बना रहा है बल्कि दूसरे देशों को हथियार बेचने में भी सक्षम हो गया है।

अब एक बार फिर भारत की तीनों सेनाओं की ताकत बढ़ाने का कदम उठाया गया है। 30 नवम्बर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व वाली डिफेंस एक्वीजिशन काउंसिल यानी डीएसी की बैठक में भारतीय सेनाओं की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए कुछ विशेष निर्णय लेते हुए नए हथियारों की खरीदारी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से देश को जल्द ही नए तेजस लड़ाकू विमान, हमलावर हेलीकॉप्टर प्रचंड, नया विमानवाहक पोत, माउंटन गन सिस्टम तथा एमआरएसएएम मिसाइलों जैसी नए हथियार मिल जाएंगे। डीएसी ने इन नए हथियारों की खरीद-फरोख्त की मंजूरी दे दी है। ये सभी हथियार चीन व पाकिस्तान की सीमा पर युद्ध के समय दुश्मन सेना के छक्के छुड़ाएंगे।

डीएसी की बैठक में 97 तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमान, 156 प्रचंड लड़ाकू हेलीकॉप्टर, तीसरे नये स्वदेशी विमानवाहक पोत के निर्माण, सुखोई-30 एमकेआई श्रेणी के 87 विमानों का आधुनिकीकरण, 5.56 व 45 कार्बाइन, 200 माउंटन गन सिस्टम, 400 टॉड आर्टिलरी गन सिस्टम तथा मध्यम दूरी की जमीन से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइलों के खरीदे जाने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। जब ये सभी हथियार भारतीय सेनाओं में शामिल होंगे तब उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। डीएसी की मंजूरी वाली 2.23 लाख करोड़ रुपये की यह खरीद घरेलू रक्षा उद्योगों से की जाएगी। जब ये सभी हथियार स्वदेशी तकनीक से देश में ही बनेंगे तो मेक इन इंडिया के बढ़ावा के साथ ही देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर होगा। तेजस विमानों के मिलने के बाद भारतीय वायुसेना के पुराने लड़ाकू विमानों को हटाया जाएगा। वर्तमान में

भारतीय वायुसेना 180 तेजस विमानों की जरूरत है। 83 तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के लिए कॉन्ट्रैक्ट हो चुका है। अब 97 तेजस और लिए जाएंगे। फिलहाल तेजस के दो स्क्वाड्रन वायुसेना के पास हैं जिनमें से एक का नाम फ्लाईंग डैग्स और दूसरे का नाम फ्लाईंग बूलेट्स है। तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान का आकार छोटा है, इसलिए दुश्मन का कोई राडार सिस्टम इसे पकड़ नहीं पाता है। ऐसे में यह कहीं भी बेखोफ़ हमला कर सकता है। इसकी मारक दूरी की क्षमता 500



किलोमीटर तक की है। वैसे इसकी कुल रेंज 1850 किलोमीटर की है और अधिकतम 53000 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इसकी अधिकतम गति 1980 किलोमीटर प्रति घण्टा है। यह हथियारों से लैस होकर शत्रु के क्षेत्र में आक्रमण कर आसानी से वापस लौट सकता है।

रक्षा खरीद परिपद ने 156 और नए प्रचंड हेलीकॉप्टर खरीदने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। ये हेलीकॉप्टर हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से खरीदे जाएंगे। इन 156 हेलीकॉप्टरों में से 66 को वायु सेना में शामिल किया जाएगा तथा शेष 90 हेलीकॉप्टरों को थल सेना अधिग्रहीत करेगी। इससे वायु सेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी। देश में विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड के वायुसेना के बेड़े में शामिल हो जाने से उसकी युद्ध कौशल क्षमता में काफी बढ़ोत्तरी हो जाएगी। प्रचंड अत्याधुनिक किस्म का लड़ाकू हेलीकॉप्टर है जो बख़तरबंद सुरक्षा प्रणाली, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, किसी भी मौसम में किसी भी समय पर हमला करने में सक्षम तथा किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित उतरने में पारंगत है। यह बहुउपयोगी हेलीकॉप्टर दुश्मनों के राडारों के चकमा देने में माहिर है, इसलिए अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी पूरी क्षमता के साथ शत्रु के बेकरोरों को तबाह करने, आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने और बचाव अभियान में वायु सेना सक्षम होगी। प्रचंड हेलीकॉप्टर अपनी लड़ाकू विशेषताओं के कारण

भारतीय वायु सेना की आक्रामक क्षमताओं को काफी मजबूती प्रदान करेगा। यह हेलीकॉप्टर दोहरें इंजन वाला है। 5.8 टन वजन वाला यह हेलीकॉप्टर स्टील्थ फीचर, आर्मर्ड प्रोटेक्शन सिस्टम तथा रात में हमला करने में सक्षम है। यह 5000 मीटर की ऊंचाई पर टेक ऑफ़ तथा लैंड करने की क्षमता वाला यह संसार का इकलौता हेलीकॉप्टर है। यह एक्सटेंडेड रेंज वाला हर मौसम में आक्रमण करने में सक्षम होने के साथ-साथ हवा से सतह तथा हवा से हवा में मिसाइल दागने की क्षमता से लैस है। इसे हवा से सतह की नई मारक तकनीक से लैस किया गया है। यह पहाड़ों तथा अन्य इलाकों में शत्रु के मजबूत शेल्टरों को भी ध्वस्त कर सकता। यह रेगिस्तानी इलाकों के साथ ही लद्दाख व सियाचिन जैसे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में भी कारगर भूमिका निभाएगा। डीएसी ने तीसरे विमानवाहक पोत के निर्माण को मंजूरी दे दी है। भारतीय नौसेना के पास अभी दो विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रान्त हैं। इनमें से आईएनएस विक्रमादित्य रूस से खरीदा गया था और आईएनएस विक्रान्त स्वदेश में निर्मित है। नया विमानवाहक पोत स्वदेशी विक्रान्त की तरह ही होगा। यह पोत 40000 करोड़ की लागत से बनेगा। 45000 टन वजन वाला यह पोत कोचीन पिपयार्ड में बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 262 मीटर, चौड़ाई 62 मीटर और उंचाई 59 मीटर की होगी। इसकी गति 52 किलोमीटर प्रति घण्टा होगी। यह पानी में तैरते हुए किसी सैन्य अड्डे की तरह होगा। इस पर करीब 28 लड़ाकू विमानों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर, मिसाइल, रॉकेट, गन और बमों जैसे खतरनाक हथियार तैनात रहेंगे। यह 400 किलोमीटर की परिधि की निगरानी करेगा और इतने क्षेत्र के खतरों से निपटने में सक्षम होगा। इस तरह हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

भारतीय वायु सेना को सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने की अनुमति मिल गई है। पुराने मिग-21 लड़ाकू विमान अब वायु सेना का हिस्सा नहीं रहेंगे। मिग-21 विमानों की कमी को पूरा करने के लिए वायु सेना 60000 करोड़ रुपये की लागत से 87 सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने का कार्य किया जाएगा। वायु सेना के बेड़े में मिग-29 मल्टी रोल एयरक्राफ्ट और जंगूआर जैसे विमान हर मौसम में लड़ाई के तैयार रहने वाले हैं। इन सभी विमानों का इस्तेमाल करने पर हम पाकिस्तान व चीन दोनों पर भारी पड़ेंगे।

विशेष

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी



75वीं दहलीज यूडीएचआर व मानवाधिकार का सच

यह पृथ्वी हमारी है। चाहे भौगोलिक क्षेत्र कोई भी हो, इस पृथ्वी पर मनुष्य द्वारा सृजित सत्ता है। इस पृथ्वी पर मनुष्य की इस सत्ता को चुनौती भी मनुष्य सभ्यता द्वारा लगातार दी जा रही है। हमारे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विकास के लिए गाढ़े गई विभिन्न अवधारणाओं में हमें यह बताने की कोशिश होती है कि इस बदलाव से अमुक चीजें मनुष्य के लिए सहयोगी बनेंगी, लेकिन होता कुछ नहीं है। एक उदाहरण देखें। भारत आजाद हुआ और नेहरू की सरकार ने देश में विकास की बात की और यह बताया कि जब बांध बनेंगे तो बिजली बनेगी। बिजली बनेगी तो विकास होगा। इसी प्रकार जब भी परमाणु परीक्षण हुआ तो यह बताया गया कि आत्म-सुरक्षा की दृष्टि से और अपने विकास व मेधा को प्रदर्शित करने के लिए यह साइंटिफिक रिसर्च व हथियार हमारे ज्ञान के विकास को प्रदर्शित करते हैं। यह हमारी संप्रभुता और शक्तिशाली होने को भी प्रमाणित करते हैं। दुनिया में शहरीकरण, बाजार, औद्योगिकीकरण से विकास को परिभाषित किया गया। कृषि आधारित उत्पादन के लिए खाद व रसायन का उपयोग होगा तो यह हमारी तरक्की होगी, यह भी बताया गया। अब यह मनुष्यों द्वारा इंजाद किया गया भ्रम मनुष्य पर भारी पड़ने लगा है। बांधों से विस्थापन हुआ। परमाणु हथियारों से नागासाकी और हिरोशिमा हुआ। अन्य विकास के जो भी पैमाने बताए गए, उनसे मनुष्य-समाज किस प्रकार अपने ही ऊपर कसे गए सिकंजे में फंस हुआ स्वयं को पा रहा है, उसे हर व्यक्ति आज जान चुका है। ये सभी मानवाधिकारों के हनन के कारक हैं। जब प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हुआ था तो दुनिया इकट्ठी हुई थी। लीग ऑफ नेशंस बनाया। द्वितीय विश्व युद्ध हुआ तो दुनिया जुटी और संयुक्त राष्ट्र बनाया। संयुक्त राष्ट्र बनने के बाद ही तो दुनिया में मानवाधिकारों के व्यापक संरक्षण की वकालत शुरू हुई थी और एलीनर रूजवेल्ट की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम घोषणा पत्र तैयार हुआ था। भारत की हंसा मेहता भी इस महत्वपूर्ण दस्तावेज निर्माण में शामिल थीं। 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम घोषणा पत्र दुनिया के अधिकांश देशों ने सर्वसम्मति से अंगीकृत किया। अपने उत्थान और पतन की पर्याप्त बहस में उलझा इसान इस सार्वभौम घोषणा पत्र के 75 वर्ष बाद यह आंकलन कर रहा है कि हमने अपनी प्रतिबद्धताओं के साथ क्या किया? हम मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए कितना सफल हुए? संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम घोषणा-पत्र यानी यूडीएचआर के 75वीं दहलीज के बाद का मानवाधिकारों का जायजा लिया जाना जरूरी भी है। यह समझने की जरूरत है कि संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकारों के उच्चायुक्त कार्यालय, ने कितना मानवाधिकारों का संरक्षण किया और क्या शेष है? या यह सब आज तक जो हुआ वह सब एक प्रकार से भ्रम रहा गया। सवाल खुद से पूछकर देखिए तो हजार सवाल हैं सबके पास। कोई भी दुनिया का व्यक्ति आज से संतुष्ट नहीं है। लेकिन, ऐसा नहीं है कि असन्तुष्ट लोगों की संख्या बहुत ही अधिक है। विश्व के विभिन्न हिस्से में निगाह उठाकर देखें तो पता चलता है कि आज भी सुरक्षा, गरिमा, स्वस्थ जीवन, भरपेट भोजन व स्वतंत्रता व संपन्नता पूर्णतया सबके लिए मौजूद नहीं है। शरणार्थियों की संख्या बढ़ रही है। विस्थापन हो रहे हैं। भूख बढ़ी है। गरीबी बढ़ी है। हिंसा बढ़ी है। युद्ध निरंतर जारी हैं। जलवायु समस्या रुकने का नाम नहीं ले रही है। हमारा समुद्र और ग्लेशियर भी कहां सुरक्षित हैं। हमारा हैपिनेस इंडेक्स किस स्तर पर है, यह सबको पता है। भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने सतत मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए कार्य किया है, इस बात का संतोष है। वर्तमान एनएचआरसी अध्यक्ष और उसके सम्मानित सदस्य निःसंदेह जिन्होंने नई पहल की है, उसकी गनहरी ने तारीफ की है। विश्व में हमारे एनएचआरसी का सम्मान बढ़ा है। स्वतःसंज्ञान के भी मामले बहुत प्रभावकारी बन पड़े हैं। ऐसा ही पूरे विश्व के देश प्रयास करें। ऐसा ही हर व्यक्ति प्रयास करें।

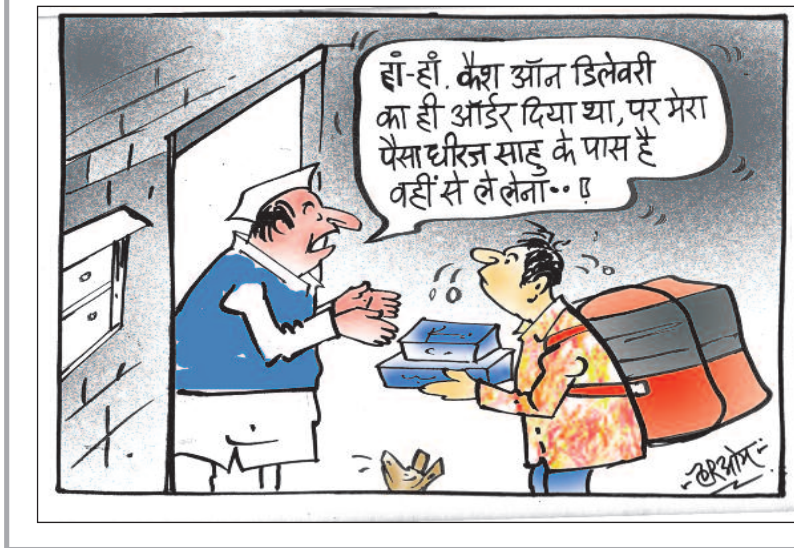
वस्तुनिष्ठ विश्लेषण है विज्ञान

जब आप संसार की किसी वस्तु को जानने की जिज्ञासा में यह प्रश्न करते हैं कि यह क्या है? तो दरअसल किसी चीज को इस दृष्टिकोण से जानने की उत्सुकता रखना आपको विज्ञान की ओर अग्रसर करता है और यदि आप ये प्रश्न करते हैं कि मैं कौन हूं? तो यह दृष्टिकोण आपको आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर करता है। वस्तुनिष्ठ विश्लेषण विज्ञान है और आत्मनिष्ठ विश्लेषण अध्यात्म। क्या आप जानते हैं, ऐसा कहा गया है कि बुद्धिमता का पहला चिन्ह है कि कुछ भी न कहे, दूसरा चिन्ह है कि क्योंकि आप पहला चिन्ह चुके हों, तो जब तक पूछा न जाए तब तक कुछ भी न कहे। इस देश में लगभग सभी शास्त्र एक प्रश्न से शुरू होते हैं। दूसरे देशों के विपरीत यहां हमने हमेशा अनुसंधान की भावना को बढ़ावा दिया है। विज्ञान का मूल अनुसंधान की भावना है। पूर्व में हमेशा हमने आपको प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया है। हम यह कभी नहीं कहते कि प्रश्न मत पूछो, हम कहते हैं कि प्रश्न पूछो। मुझसे एक अध्यापक ने पूछा कि विज्ञान और आध्यात्मिकता में क्या भेद है? विज्ञान क्या है? विज्ञान माने, यह क्या है? का व्यवस्थित विश्लेषण ही विज्ञान है। पूर्व में विज्ञान और अध्यात्म कभी भी एक दूसरे के विरोधाभासी नहीं रहे। यहां कभी किसी वैज्ञानिक को सताया नहीं गया। अब ध्यान करना है बहुत आसान। आज ही सोचें। पश्चिम में कहते हैं तुम पहले विश्वास करो, एक दिन तुम्हें अनुभव भी हो जाएगा। उसमें भी कुछ सत्य है। - श्रीश्री रवि शंकर



संकलित दर्शन

अंतर्मन



आज की पाती

नशा नाश ही नहीं सर्वनाश करता है

नशा नाश करने वाली युक्ति हम हर दूसरे व्यक्ति से सुनते हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन की आंखों में धूल झांक्कर युवा नशे के आदि होते जा रहे हैं। पंजाब में युवा नशे के कारण बर्बाद हो रहा है। गुजरात में पुलिस ने कई बार इंस बरामद किया है। इन राज्यों के अलावा राजस्थान में भी नशे का कारोबार फलफूल रहा है। युवा नशे के आदि हो रहे हैं। लेकिन पुलिस प्रशासन अनभिज्ञ है। नशे के कारण मां की कोख सूनी हो रही है। सुहाग उजड़ रहा, बहन अपने भाई को खो रही है। राजस्थान में नशे के कारोबारी पुडिया में नशीले इंस का कारोबार कर युवाओं का जीवन नष्ट कर रहे हैं। राजस्थान में अब नई सरकार का गठन होगा और जनता को विश्वास है कि नशा बेचने वाले पैडलर को राज्य से भगाया जाएगा। - कौतिलाल मांडों, सूरत

करंट अफेयर

अब रूस ने दी 'तीसरे विश्वयुद्ध' की चेतावनी

रूस और यूक्रेन का युद्ध चल रहा है और दुनिया एक बार फिर तबाही के मुहाने पर है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की ओर से वॉरिंग दी गई है। इसमें कहा गया है कि 1962 में क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से परमाणु विश्वयुद्ध का खतरा इतना बड़ा कभी नहीं रहा। पूर्व रूसी राष्ट्रपति और पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेंदेव ने भविष्यवाणी की है कि खून की नदियां बहेगीं। उन्होंने यूक्रेन के लिए और भी ज्यादा सैन्य समर्थन को मंजूरी देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस को मजबूर करने के बाइडेन प्रशासन के प्रयासों की आलोचना की।



ऑफ बीट

अद्भुत है सारण में बना द्वारिकाधीश मंदिर

द्वारिकाधीश मंदिर गुजरात की तर्ज पर बना बिहार के छपरा का द्वारिकाधीश मंदिर भी अब पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है और मंदिर की दर्शनीयता को देखने के लिए दूर-दूर से लोग बिहार के छपरा नैनी गांव में आते हैं। यह मंदिर गुजरात के द्वारिकाधीश मंदिर की याद दिलाता है और उसी तरह विशेष धार्मिक महत्त्व रखता है। गुजरात से भी श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। छपरा-बनियपुर सड़क से सटे नैनी गांव में स्थापित है द्वारिकाधीश मंदिर। छपरा शहर से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर पनपच 331 स्थित नैनी में बना द्वारिकाधीश मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बिंदु बन गया है।



रचना- प्रतिमा उमराव (सं०अ०) उच्च प्राथमिक विद्यालय अमौली (1-8) अमौली, फतेहपुर

महान विचारक स्वामी विवेकानन्द

कोलकाता भूमि के जंग भाग्य, 12 जनवरी, 1893 बन गया खास। विश्वनाथ, भुवनेश्वरी हो गये धन्य, जब हुआ विवेकानंद का जन्म।। रामकृष्ण परमहंस को गुरु बनाया, अध्यात्म ज्ञान उनसे ही पाया। जीवन का उनसे पाकर सच्चा ज्ञान, तभी बने ये विवेकानंद महान।। 11सितम्बर 1893, दिन बना खास, जब विवेकानंद ने रचा इतिहास। शिकागो धर्म सभा में दिया ज्ञान, सबको हुआ भारत पर अभिमान।। रामकृष्ण मिशन की करी स्थापना, पूरी की गुरु की यह महान कामना। विदेशों में धर्म का परचम फहराया, सेवा को ही आधार बतलाया।। आत्म भक्ति की शक्ति दिव्यवी, मानव मर्म की पहचान करावी। नव भारत का किराया निर्माण, करते हैं हम गुरु पुरुष को प्रणाम।। यह थे संघर्ष, त्याग के प्रतीक, जीवन था इनका जैसे तीर्थ। 4जुलाई, 1902 का दिन बना काल चरित्रिन्द्रा में सो गया भारत का लाल।।

संक्षेप

कोहरे के साथ भीषण गलन से जनजीवन अस्त व्यस्त

अमन लेखनी समाचार
हमीरपुर। कोहरे के साथ गलन भरी ठंड से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। दोपहर बाद धूप निकलने पर लोगों ने राहत जरूर महसूस की लेकिन गलन से छुटकारा नहीं मिला। शुक्रवार को कोहरे की एक बार फिर जोरदार दस्तक हुई। भोर होने के बाद घना कोहरा होने के कारण वाहनों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। भीषण कोहरा होने के कारण लोग घरों में ही दुबके रहे। सबसे ज्यादा आफत पशु पक्षियों की रही। कोहरे के साथ भीषण गलन से सभी ठिठुरते नजर आए। दोपहर में 1.30 बजे के बाद धीरे-धीरे धूप छिलनी शुरू हुई तब कहीं जाकर लोगों ने राहत महसूस की। लेकिन धूप के बाद भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली।

रफ्तार का कहर पिकअप असंतुलित होकर पलटी

अमन लेखनी समाचार
मौदहा। कोहरे के साथ रफ्तार नेशनल हाईवे में कहर ढाए है। अभी अज्ञात ट्रक की चपेट में आए तीन युवकों की मौत के बाद रहस्यमय तरीके से गायब हुई मृतकों की बाइक तलाशने में परत दिखाई दे रही पुलिस रफ्तार पर भी लगाम लगाने में नाकाम दिखाई दे रही है। जिसका ताजा उदाहरण आज सुबह हुई एक और घटना के रूप में देखने को मिला। मामला कोतवाली मौदहा अंतर्गत एनएच 34 स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास का है। अखबार लदी पिकअप कानपुर से महोबा की ओर जा रही थी। जैसे ही पिकअप रिलायंस पेट्रोल पंप के पास पहुंची तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात ट्रक ने पिकअप को ओवरटेक करते हुए अत्यधिक रफ्तार के साथ कट मार दिया। जिससे पिकअप असंतुलित होकर पलट गई और ट्रक कलक मय ट्रक के मोक से फरार हो गया। हालांकि घटना के बाद पिकअप चालक कसौम सहित अन्य सवार सुरक्षित बताये गये हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

अधिकांश अधिकारी नगरपालिका मौदहा बैठक में अनुपस्थित रहने पर अग्रिम आदेशों तक रोका वेतन

अमन लेखनी समाचार/उमेश दीक्षित
हमीरपुर। बैठक में जिलाधिकारी पात्र जोड़ों के चयन हेतु दिग्ग्व लक्ष्य के सापेक्ष कम प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों से कहा कि पात्र जोड़ों के चयन हेतु जो लक्ष्य दिया गया है उसको समयबद्ध पूर्ण कर लिया जाए ताकि आगामी निर्धारित दिवसों में एक बड़ा एवं भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित कर लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने वाडों एवं ग्राम पंचायतों में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का वृद्ध स्तर पर प्रचार प्रसार कर पात्र जोड़ों का चयन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों की

नेशनल यूथ डे के अवसर पर योद्धा यूनिट फॉर स्वच्छ अयोध्या अभियान चलाया गया

अमन लेखनी समाचार/हेमंत यादव

गरोटा, झांसी। नेशनल यूथ डे के अवसर पर कसबा गरोटा में 'योद्धा यूनिट फॉर स्वच्छ अयोध्या अभियान' चलाया गया जिसके अंतर्गत नगर पंचायत गरोटा द्वारा आयोजित मानव श्रृंखला एवं रूट मार्च में कसबा के अखंडानंद जनता इंटर कॉलेज, कन्दा इंटर कॉलेज, जय हिंद मिशन इंटर कॉलेज, एस डी मेमोरियल विद्यालय के बालक बालिकाओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राम मिलन त्रिपाठी, बबली गुप्ता, रतिराम थोडले, केदार गुप्ता, अरविंद पाठक सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। साथ ही नगर पंचायत से समस्त पार्षदगण व नगर पंचायत के कर्मचारी भी उपस्थित

यूवा दिवस के रूप में मनाई गई स्वामी विवेकानन्द की जयंती

युवा उद्यमिता प्रोत्साहन रैली के अंतर्गत स्वदेशी जागरण मंच एवम स्वावलंबी भारत अभियान के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद जी जीवन परिचय पर प्रकाश डाला

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर/युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानन्द की जन्म जयंती जिला मुख्यालय राजपूत कालोनी स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल अयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाई सुदीप खरे एवम मंचासिन अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर भारत माता और स्वामी विवेकानन्द जी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित की मंच संचालन कर विद्यालय परिवार की ओर से सभी का स्वागत किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया और स्वदेशी जागरण मंच मुख्य



अतिथि सुदीप खरे संघर्ष वाहिनी प्रमुख ने सभी को मंच के माध्यम से स्वदेशी जागरण मंच तथा स्वावलंबी भारत अभियान का महत्व बताया हुए कहा गया कि स्वदेशी जागरण मंच ऐसी संस्था है, जो हमारे समाज के लोगों को भारत में बनी हुई वस्तुओं का उपयोग करने के लिए जागरूक करने का काम करती है तथा स्वावलंबी भारत अभियान को उद्देश्य युवाओं द्वारा रोजगार के नए अवसर प्रदान करना तथा रोजगार लेने वाला ना बनकर रोजगार देने वाला होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भाई हाकिम सिंह

जी जिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विवेकानंद जी सभी युवाओं की प्रेरणा होना चाहिए जिन्होंने मात्रा 39 वर्ष की आयु में पूरे विश्व में भारत का लोहा मनवाया था कार्यक्रम में उपस्थित वशिष्ठ अतिथि बहिन रुचिका बुदला जी महिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान ने बच्चों को बताया कि हमें हमेशा अपनी संस्कृति से प्रेम करना चाहिए और हमेशा अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। और इसकी शुरूवात प्रत्येक व्यक्ति को

सर्वप्रथम अपने घर से करनी होगी इसके साथ स्कूल के प्रबंधक डी. एस. विवेक जिला संयोजक स्वदेशी जागरण मंच ने स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से सीख लेने को कहा की हमें विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है इसी के साथ अन्य वक्ताओं ने भी स्वामी विवेकानन्द जी के बारे में जानकारी दी इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाई सुदीप खरे जी स्वदेशी जागरण मंच, संघर्ष वाहिनी प्रमुख कानपुर प्रांत पदाधिकारी इंजीनियर हाकिम सिंह लोधी, जिला समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान बहिन रुचिका बुदला के.के. पाठक महामंत्री संस्कार भारती, धरम सिंह कुशवाहा जिला अध्यक्ष सहकार भारती हरपाल सिंह चंदेल प्रदेश कार्य समिति सदस्य सहकार भारती सुनीता पंथ ,नयन (अहशद), सुरेंद्र पस्तोर जिला संपर्क सहकार भारती प्रिंस पाल ,गुलशन, जयदीश राजपूत, स्कूल प्रिंसिपल नेहा शर्मा, वाइस प्रिंसिपल

रुचि श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर फरजाना, श्वेता पुरोहित, व टीचर्स में शालिनी गिरी, उषा राजपूत, प्रियंका श्रीवास्तव, हाजरा, ज्योति तोमर, दीक्षा जैन, संगीता, दीक्षा श्रीवास्तव, शिवानी राय, पुनम यादव, बबली पांडे, उन्नति त्रिपाठी, मिनी राजपूत, माधुरी राजपूत, दीपाली झा, पूजा अहिरवार, हर्षना पाठक, नेहा जैन, भारती दीक्षित, मेघा मिश्रा, अनुपम कुमार, रोहित तिवारी, आलोक कुमार, विजय कुमार, सुनील कुमार, कुमार शांशां, संजीव जैन, फिरोज खान, वृकभान सिंह, प्रभात श्रीवास्तव, महिपाल सिंह बुदला, अवध किशोर चौबे, सूर्य प्रताप सिंह, दशरथ कुशवाहा, हरनाम, सुमित्रा, मंजू, गीता, अंजू, सावित्री, रेखा, सविता, ममता प्रजापति, बलवीर सिंह, संदीप तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबंधक डी. एस.विवेक जी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन रोहित तिवारी ने किया।

तीन सप्ताह पूर्व लापता बच्ची का सिर व हाथ मिलाने से मचा हडकंप



अमन लेखनी समाचार

मौदहा। तीन सप्ताह पूर्व क्षेत्र के पड़ोसी से गायब हुई मासूम बच्ची का सिर व हाथ मिलाने से हड़कम्प मच गया। ग्रामीणों ने सर की पहचान कर गायब बच्ची का अंजाम देने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के पड़ोसी गांव में हुये इस मामले पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बच्ची के सिर को देखकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बच्ची का सिर व हाथ मिलाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। चर्चा है कि बच्ची के सिर को कुत्ते द्वारा निचाला बनाया गया है। साथ ही 48 से 72 घंटे के बीच घटना को अंजाम देने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के पड़ोसी गांव में हुये इस मामले पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

महाविद्यालय मे आयोजित हुई गोष्ठी चला स्वच्छता अभियान

अमन लेखनी समाचार

मौदहा। जाग उठो और अपने लक्ष्य की ओर चल पड़ो का नारा देने वाले स्वामी विवेकानंद जी की जयंती स्वर्गीय पूरन रामप्रकाश दीक्षित महाविद्यालय गहरोली में धूमधाम के साथ मनाई गयी। एनएसएस द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

मुस्कुरा विकासखंड क्षेत्र के गहरोली गांव में संचालित स्व. श्री पूरन रामप्रकाश दीक्षित महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डा. लोकेन्द्र नाथ पांडेय ने स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद छात्राओं ने कार्यक्रम में आये अतिथियों के लिए स्वागत गीत पेश किया। प्राचार्य लोकेन्द्र नाथ पांडेय ने मौजूद छात्र छात्राओं को विवेकानंद जी का जीवन परिचय देते हुए कहा कि राह में भटकते आज के युवाओं



को उनसे सचरित्र जीवन, राष्ट्रप्रेम व एक दूसरे के दुखों में सहगामी होने की प्रेरणा अवश्य लेनी चाहिए। तथा स्वामी जी के सपने को भारत के निर्माण के लिए सभी को मिल जुलकर कार्य करते हुये एक सशक्त भारत का निर्माण करना चाहिए। डा. रोहित गुप्ता ने कहा कि किसी भी देश में सबसे ज्यादा अहम युवा होते हैं। समाज के निर्माण उसके परिवर्तन और विकास में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। स्वामी जी ने

शिकागो धर्म सम्मेलन के बड़े मंच में भारत की संस्कृति विरासत की अमिता की रक्षा हेतु सभी भारतीयों का नेतृत्व किया था। इस मौके पर छात्र छात्राओं एवं प्रवक्ताओं ने विद्यालय परिसर की साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्रवक्ता मनोज द्विवेदी, सत्येन्द्र सम्सेना, कुलदीप द्विवेदी, शैलेन्द्र कुमार, दीक्षा, गिरजानन्दन पाठक, छोट्ट शुक्ला सहित सभी प्रवक्ता मौजूद रहे।

शासन की योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन का किया गया वितरण

अमन लेखनी समाचार उमेश दीक्षित

हमीरपुर। विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत आज दिनांक 12/01/2024 को राहुल पांडे जिलाधिकारी हमीरपुर की अध्यक्षता में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डिग्री कॉलेज में अध्यक्षता में छात्र छात्राओं को उत्तर प्रदेश शासन की योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात बच्चों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षकों को दायित्व है कि युवाओं को तैयार कर 2047 में विकसित भारत की संकल्पना पूर्ण करें। जनपद में कुल 15800 स्मार्टफोन आवंटित हुए इसके सापेक्ष 4114 स्मार्टफोन का वितरण अत्रक किया जा चुका है इसी क्रम को बढ़ाते हुए आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 20 छात्र छात्राओं को स्मार्टफोन देकर उत्तर प्रदेश की लाभकारी योजना से लाभान्वित किया गया।

अमन लेखनी समाचार/हेमंत यादव

झाँसी। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स ट्रेड यूनियन जो बीएचईएल के कर्मचारियों का अग्रणी संगठन है की बैठक में जनपद के प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ० संदीप सरावगी को सर्वसम्मति से संरक्षक पद पर नामित किया गया। बीडब्ल्यूटीयू विगत कई वर्षों से बीएचईएल में कार्यरत कर्मचारियों के हितों के लिए संघर्षरत है। संगठन के अध्यक्ष उमेश प्रजापति ने कहा डॉ० संदीप समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्य कर रहे हैं उनकी कार्यशैली ने जनपद और आसपास के लोगों को काफी प्रभावित किया है और वास्तव में असली समाज सेवा वही है जो पिछड़ों, शोषितों और असाहायों का साथ देकर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करें। वहीं महामंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक संगठन में समय-समय पर बदलाव की आवश्यकता होती है संगठन में डॉ० संदीप के जोड़ने से यूनियन की कार्य समिति में उत्साह बढ़ेगा वह एक संप्रति



व्यक्ति हैं। झाँसी एक पिछड़ा क्षेत्र है उनके आगमन से संगठन एवं बुंदेलखंड की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ० संदीप ने कहा बीएचईएल के इस संगठन से जुड़ना मेरे लिए हर्ष का विषय है भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स वर्कर्स ट्रेड यूनियन कर्मचारियों के हित के लिए सराहनीय कार्य कर रही है इस संगठन से जुड़कर मेरा प्रयास

रहेगा कि संगठन की कार्यशैली को और अधिक मजबूती प्रदान कर सकूँ। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं समस्त कार्यसमिति के सदस्यों सहित संघर्ष सेवा समिति से बसंत गुप्ता, सुशांत गेड़ा, राकेश अहिरवार, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह, आशीष विश्वकर्मा, मिथुन कुशवाहा एवं भरत कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उत्सव ट्रस्ट द्वारा जिला कारागार में किया गया रक्तदान

सोनभद्र। उत्सव ट्रस्ट एवं जिला कारागार सोनभद्र के संयुक्त तत्वाधान में

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर जिला कारागार सोनभद्र के परिसर में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वेच्छिक रक्तदान शिविर रक्तदान उत्सव - रक्तदान युवा शक्ति के नामर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण करते हुए उनके जीवन, शिक्षाओं तथा भारत के युवाओं हेतु उनके संदेश एवं रक्तदान से होने वाले लाभ आदि विषय को चित्र के समाजसेवी गीता श्रीवास्तव (माता जेल अधीक्षक), जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव, जेलर जगदंबा प्रसाद दुबे, उत्सव ट्रस्ट के संरक्षक स्वामी अरविंद सिंह, रक्तदान विभाग के निदेशक डॉ अजय कुमार शर्मा, सह निदेशक श्याम दुलारे साहनी, योगी संकट मोचन द्वारा प्रकाश डाला गया।

विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष पर लगाए दहेज उत्पीड़न मारपीट करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। बिजनौर के न्यू गुडोरा चौराहा, मानसरोवर योजना निवासी आकृति यादव ने अपने पति अंकित यादव, ससुर राकेश यादव, सास सोनी, चंचिया ससुर सुनील, चंचिया सास लता और तीन चार अज्ञात लोगों के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी और दहेज उत्पीड़न की बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता आकृति के मुताबिक बीती 6 जनवरी 2021 को उसकी शादी पारा के सलेमपुर पतौरा निवासी अंकित यादव के साथ हुई थी। शादी में उसके मां-बाप ने अपनी क्षमता के अनुसार दान दहेज दिया था। आकृति का कहना है कि शादी के बाद से ही उसका पति अंकित यादव, सास सोनी यादव, ससुर राकेश कुमार यादव, चंचिया ससुर सुनील यादव व चंचिया



सास लता यादव उसे कम दहेज लाने का ताना देते हुए प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने उससे 5 लाख रुपये दहेज के रूप में नगद लाने की मांग की। मना करने पर उससे गाली गलौज और मारपीट की गई। दिसंबर 2021 में भी आरोपियों ने दहेज की मांग को लेकर उससे मारपीट की और गालियां देते हुए घर से भगा दिया। आरोप है कि उस दौरान आरोपियों ने

कहा कि जब 5 लाख रुपये नगद लेकर आओगी तभी यहाँ रखा जाएगा, नहीं तो तुम्हें जान से मार दिया जाएगा। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने 29 जून 2023 को भी तीन चार अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उससे गाली गलौज की ओर मारा पीटा। फिलहाल पीड़िता आकृति यादव की तहरीर पर बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गाजीपुर का बेटा नाम किया रौशन आदित्य सिंह क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के टीम में हुआ चयन

अमन लेखनी समाचार

गाजीपुर जिले के बाराचवर ब्लॉक अंतर्गत आने वाले गांव पहाड़ीपुर के निवासी बलवंत सिंह के पुत्र आदित्य सिंह का चयन क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल में हुआ है जिससे परिवार सहित पूरे जिले में एक हर्ष एवं गौरव का माहौल है युवाओं के लिए यह एक अत्यंत ही मनोबल देने वाला कार्य हुआ है जिसकी प्रेरणा से आजकल के युवा बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी अच्छी रुचि लेंगे और अपने परिवार और जिले का नाम रोशन कर पायेंगे। फिलहाल पीड़िता आकृति यादव की तहरीर पर बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

और अपने जीवन में कुछ करने का संकल्प लिया हम लोग अपने गांव और जिला का नाम रोशन करेंगे। कर्कड़ सामाजिक और राजनीतिक लोगों ने इस बच्चे को शुभकामना के साथ-साथ प्रोत्साहन दिया है कि यह आगे चलकर के हम लोगों के क्षेत्र का नाम रोशन करें। सामाजिक कार्यों में अपनी पूर्ण भागीदारी रखने वाले आदिशक्ति सेवा संस्थान के अध्यक्ष रजनीश सिंह का यह भतीजा है, उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए तथा क्षेत्र वासियों के लिए अत्यंत ही गौरव का कार्य हुआ है आप लोगों का ऐसे ही प्यार और आशीर्वाद मिलता रहे जिसके लिए हम आप सभी को आभार व्यक्त करते हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर किया गया वार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। दिनांक 11.01.2024 को रात्रि अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर वार किया गया। वार के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचना निस्तारण के सम्बंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना पर लम्बित विवेचनाओं के सम्बंध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया साथ ही जनशिकायतों को सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिक समय से लंबित

विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वार्डित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायत प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अन्तर्गत जरा याद कर कुबानों के सहित अन्य अपराधिक गतिविधियों में सलिल अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध श्राव एवं मादक पदार्थों के तस्करो व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाना के माल का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके अन्तर्ग ही शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन एवं प्रचलित अभियानों के सम्बंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

चटगाँव विद्रोह के नायक मास्टर द्वा सूर्यसेन की मनाई गई पुण्यतिथि

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, हमीरपुर। आजादी के संघर्ष की महत्ता को देखते हुये वर्णित संस्था के तत्वावधान में विमर्श विधा के चर्चगाँव अज्ञात के युवा बच्चे तहत चर्चगाँव विद्रोह के नायक मास्टर द्वा सूर्यसेन की पुण्यतिथि 12 जनवरी पर संस्था के अध्यक्ष डा भवानीदीन ने सुमनाजलि अर्पित करते हुये करते हुए कहा कि सूर्यसेन सही मायने में मा भारती के एक संघर्षी सपूत थे, देश के प्रति जिनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है, इनका जन्म 22 मार्च 1894 में नोआपाडा, बंगाल में मा शिला बाला देवी तथा पिता निरजन सेन के घर हुआ था, गाव तथा बहरामपुर में शिक्षा प्राप्त कर शिक्षक हो गये, सेन को असहयोग

आंदोलन के कारण दो साल की जेल हुई, ये जानते थे कि बिना हथियारों के गोरों से नहीं लड़ा जा सकता है, इन्होंने क्रांतिकारियों का एक समूह बना कर 1930 में बंगाल के चर्चगाँव शस्त्रालय में चढाई कू दी, पुलिस से मुठभेड़ हुई, जिसमें अनेक पुलिस वाले तथा 12 क्रांतिकारी मारे गये, सेन 16 फरवरी 1933 को गिरफ्तार कर लिये गये, गोरों ने न्याय का नाटक कर इन्हें 12 जनवरी 1934 को फासी पर लटका दिया गया, 39 वर्षों का इनका मा भारती के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, दिलीप अवस्थी, रमेशचन्द्र गुप्ता, सिद्धा प्रजापति, प्रेम प्रजापति, सागर प्रजापति, महावीर ,संतोष प्रजापति, दस्सी व अभिषेक आदि शामिल रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्धारा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक - श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhani@ gmail.com

सेलिब्रेशन / शिखर चंद जैन

बच्चों, मकर संक्रांति के अवसर पर अपने भारत देश के विभिन्न हिस्सों में रंग-बिरंगी, विभिन्न आकार और प्रकार की पतंगों उड़ाने की परंपरा है। अपने देश की तरह दुनिया के कई देशों में भी पतंगबाजी के उत्सव मनाए जाते हैं। जानो, कुछ अनोखे काइट फेस्टिवल्स के बारे में।

अजब-गजब काइट फेस्टिवल्स

केपटाउन इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका देश की राजधानी केपटाउन के मैकबोस्टरेड बीच पर हर साल 20,000 से ज्यादा लोग की मौजूदगी में काइट फेस्टिवल का आयोजन होता है। काइट फेस्टिवल में तरह-तरह की डिजाइन और आकार की पतंगों को आसमान में उड़ते देखना अनोखा अनुभव होता है। बच्चों, केपटाउन इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल अफ्रीका महाद्वीप का सबसे बड़ा पतंगोत्सव है। केप टाउन इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल हर साल अक्टूबर महीने में आयोजित होता है। *

अर्टवेंतो सर्विया इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल इटली

यूरोप महाद्वीप के देश इटली में समुद्र तटीय रिजॉर्ट शहर सर्विया के पिनारेला बीच पर हर साल अर्टवेंतो सर्विया इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल आयोजित होता है। यह काइट फेस्टिवल दुनिया के सबसे अनूठे काइट फेस्टिवल्स में से एक है। यहां दुनिया भर की कलात्मक पतंगों को एक साथ देख सकते हैं। पिनारेला बीच पर समुद्र के किनारे तरह-तरह के कार्टून कैरेक्टर्स, जानवरों, पक्षियों और अन्य आकारों की पतंगें उड़ाने देखना काफी मजेदार लगता है। सर्विया इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल 20 अप्रैल 2024 से शुरू होकर 1 मई 2024 को समाप्त होगा। *

पोट्सडाम इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल इंग्लैंड

इंग्लैंड के तटीय शहर पोट्सडाम में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के दौरान रंग-बिरंगी पतंगों से आसमान पट जाता है। यहां पतंग उड़ाने के साथ-साथ पतंग बनाने की कला भी सिखाई जाती है। तुम यहां उड़ाने वाली पतंगों के विभिन्न प्रकार, आकार और डिजाइन देखकर चौंक जाओगे। यहां 3डी पतंगों, म्यूजिक बजाने वाली पतंगों, ट्रिक दिखाए जाने वाली पतंगों और इन्जीनियरिंग के बेहतरीन नमूने वाली पतंगों, यहां आने वाले पर्यटकों का दिल जीत लेती हैं। इंग्लैंड का यह अनोखा पतंग उत्सव हर साल अगस्त महीने में मनाया जाता है। *

जायंट काइट फेस्टिवल ग्वाटेमाला

उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के ग्वाटेमाला देश में सुपांगो और सेंटियागो साकटेपीकवीज नामक जगहों में प्राचीन काल से पतंग उड़ाने की परंपरा रही है। यहां ऑल सेंट्स डे (प्रतिवर्ष 1 नवंबर) के दिन जायंट काइट फेस्टिवल आयोजित होता है। इस दौरान विशालकाय गोलाकार पतंगें उड़ाई जाती हैं। स्थानीय निवासी इन गोलाकार पतंगों को बुरी आत्माओं को दूर रखने के लिए उड़ाते हैं। जिस दिन यहां पतंगें उड़ाई जाती हैं, उसे डाय डी लोस म्यूटोस कहते हैं। *

वेईफांग इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल चीन

पड़ोसी देश चीन के वेईफांग नामक जगह को 'दुनिया की पतंग राजधानी' कहा जाता है। चीन के शेडोंग प्रांत के वेईफांग में हर साल वेईफांग इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल आयोजित होता है। फेस्टिवल में डैंगन के विशाल आकार सहित अन्य कई जानवरों के डिजाइनों वाली पतंगें उड़ाई जाती हैं, लेकिन यहां डैंगन डिजाइन की पतंगें ही सबसे ज्यादा उड़ाई जाती हैं। वेईफांग इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल इस साल 20 अप्रैल से आरंभ होगा। *

छोटी कहानी / संदीप पांडे शिष्य

त्योहार की खुशी

नववर्ष आकर चला गया। अब तो मकर संक्रांति आने वाली है। राघव अपनी दोस्त सिया से बोला।
'नववर्ष का दिन तो रात में नाच-गाकर उत्सव मनाने का दिन है। लेकिन मकर संक्रांति तो दिन भर त्योहार का आनंद देता है। दादी जी कह रही थीं कि हमारे सारे त्योहार मौसम चक्र के अनुसार बने हैं। उसमें बनने वाले मिष्ठान और खाद्य-पदार्थ भी शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।' सिया खुश होकर राघव से बोली।
'सिया, मुझे तो दिनभर पतंग उड़ाने में बहुत मजा आता है। आसमान में रंग-बिरंगी सैकड़ों पतंगों के बीच अपनी पतंग की कलाबाजियां दिखाने में मुझे बहुत खुशी मिलती है। साथ ही तिल के लड्डू, गजक और दाल की पकौड़ी खाते जाओ और पतंग उड़ाते जाओ। पिछले साल मैंने अपनी एक पतंग से आसमान



में उड़ती पूरी सात पतंगें काटी थीं। इस बार देखना कम से कम दस पतंगें काटूंगा।' राघव चहक कर बोला।

'अच्छी बात है, लेकिन तुम्हें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि चाइनीज मांझे से परियों को कच ना हो। पक्षी मांझे में उलझकर घायल हो जाते हैं। दुपहिया वाहन सवारों को भी तकलीफ उठानी पड़ती है। पतंग उड़ाने के लिए चाइनीज मांझे का प्रयोग बिल्कुल बंद कर देना चाहिए, इससे किसी के भी जीवन को खतरा हो सकता है।' सिया ने किसी बुजुर्ग की तरह आदेश दिया। राघव कुछ देर चुपची के बाद बोला, 'बात तो तुम्हारी एकदम सही है। मैं इस बार ध्यान रखूंगा। पिछली बार भी मम्मी ने मुझे इसके लिए चेताया था, लेकिन मैंने उनकी बात नहीं मानी। तुम इस बार पतंग उड़ाने मेरे घर आ जाना। हम मिलकर मस्ती करेंगे।'

'नहीं मैं नहीं आ पाऊंगी। मैं दादी जी के संग, सुबह सूर्य देव जब मकर राशि में प्रवेश करेंगे, तब छत पर जाकर सूर्य नमस्कार करूंगी। साथ ही सूर्य देव का आभार प्रकट करूंगी कि वह हमें रोशनी और ताप देते हैं, ताकि हम टिटुरन भरी सर्दी का मुकाबला कर सकें। उसके बाद पापा-मम्मी के साथ जरूरतमंदों को शॉल, टोपी और कंबल बांटने जाऊंगी। पतंग को तो आसमान में उड़ता देखकर आनंद आ जाएगा। पतंग उड़ाना तो मुझे आता भी नहीं।' सिया ने शालीनता से राघव को इंकार किया तो वह कुछ उदास हो गया। उसने सिया से सवाल किया, 'अच्छा तो क्या मैं तुम्हारे साथ चल सकता हूँ?'

'हां...हां... क्यों नहीं? तुम सुबह आठ बजे ही नहा कर और तैयार होकर मेरे घर आ जाना। हम पूजा भी साथ करेंगे और फिर दान का सौभाग्य भी साथ प्राप्त करेंगे।' सिया की सहमति में बेहद प्रसन्नता झलक रही थी। राघव ने सिया से विदा लिया। इस बार मकर संक्रांति को नाच ढंग से मनाने का उसका उत्साह बहुत अलग था। घर की ओर बढ़ते उसके कदम थिरक से रहे थे। *

जीके विजज-87

- हाल में इसरो के सोलर मिशन ने अंतरिक्ष में किस बिंदु पर सफलतापूर्वक स्थापित होकर इतिहास रचा?
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का मुख्यालय कहाँ है?
- माउंट एवरेस्ट की चोटी पर दो बार चढ़ने वाली भारतीय महिला कौन है?
- आवले में प्रचुर मात्रा में कौन-सा विटामिन पाया जाता है?
- हाल में टीएच हर्सीना किस पड़ोसी देश की पांचवीं बार पीएम बनीं?
- कागज का आविष्कार किस देश में हुआ था?
- किस महापुरुष की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाते हैं?
- ऑडियोमीटर से क्या मापा जाता है?
- गिद्धा किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?



बच्चों, जीके विजज-87 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके विजज-86 का उत्तर: 1- क्षिप्रा नदी, 2-लता मंगेशकर चौक(अयोध्या), 3-गोवा, 4-अरविंद पनगढ़िया, 5-7 दिसंबर, 6-झारखंड, 7-अरावली पर्वत श्रृंखला, 8-अशोक स्तंभ, 9-आठ राश्यों से, 10-20 ओवर

जीके विजज-86 का सही उत्तर देने वाले: रेहान-भिलाई, शुभम-महासमुंद, लक्ष्मी-बागबाहर, रौनक-जांजगीर, अजय-रायपुर, विकास-भोपाल, सोनम-जगदलपुर, हिमेश-हिसार, अभिषेक-कटनी, प्रीती-दुर्ग, अनया-बिलासपुर

हंसगुल्ले

पापू-मम्मी, मुझे ऐसा लगता है, जैसे मेरे चले सके कि मेरे माइड में क्या चल रहा है।
कान में कोई गुनगुना रहा है।
मम्मी-ऐसा क्या होता है बेटा?
पापू-जब मैं मछर दानी लगाकर बेंड के किनारे सोता हूँ।
सुंदर, रोहतक
सोनी-मोनी, तुम आज पार्क में हेट लगाकर क्यों खेलने आई हो?
मोनी-नाकि किसी को पता न



कहानी

डॉ. अलका जैन 'आराधना'

इन दिनों गोलू स्कूल से आते ही छत पर चला जाता था। सूरज डूबने के बाद ही नीचे आता। गोलू को पतंग उड़ाने से ज्यादा पतंग लट्टने का शौक है। उसने छत पर अलग-अलग लंबाई के डंडे रख रखे हैं, जिनका इस्तेमाल करके वह पतंग लट्ट लेता है। उसे लगता है, जो मजा लूटी हुई पतंग उड़ाने में है, वह खरीदकर उड़ाने में नहीं है। गोलू छत पर ही बने स्टोर रूम में एक के बाद एक पतंगें इकट्ठी करता जा रहा था, लेकिन वह पतंगों की गिनती नहीं करता था।

मकर संक्रांति का त्योहार आ गया था। गोलू बहुत खुश था कि वह अब मजे से पतंग उड़ाएगा। अगले दिन मकर संक्रांति थी। मम्मी हर बार की तरह इस बार भी रात को गाजर का हलवा बना रही थीं। जब गाजर का हलवा तैयार हो गया तो उन्होंने एक बड़ा कटोरा गोलू के हाथों में थमाते हुए कहा, 'बेटा, यह पड़ोस वाली आंटी को दे आओ। आंटी की तबीयत ठीक नहीं है। उनके बेटे को गाजर का हलवा बहुत पसंद है।'

गोलू ने पड़ोस वाले घर में जाकर डोर बेल बजाई, लेकिन कोई गेट खोलने नहीं आया। वह वापस लौटने ही वाला था कि उसने फुसफुसाहट सुनी। यह आवाज आंटी के बेटे अनुज की थी, जो फोन पर किसी से कह रहा था, 'अरे, पतंग को कोई टेंशन नहीं है। हमारे पड़ोस में एक बुद्ध बच्चा रहता है। वह पतंग लट्टकर ऊपर वाले स्टोर रूम में रख देता है, स्टोर में ताला भी नहीं लगाता। हमारे घर की छतें जुड़ी हुई हैं। मैं रोज दो-तीन पतंगें चुपके से निकाल कर ले आता हूँ। मेरे पास करीब पचीस-तीस पतंगें इकट्ठी हो गई हैं।'

यह सुनकर गोलू को बहुत गुस्सा आया, लेकिन वह चुप रहा। उसने फिर से डोर बेल बजाई तो अनुज की मम्मी ने दरवाजा खोला। गोलू ने बनावटी मुस्कान के साथ हलवा उनके हाथों में थमा दिया और पूछा, 'आपकी तबीयत कैसी है आंटी?' 'तबीयत पहले से बेहतर है बेटा।' आंटी बोलीं। उन्होंने गोलू को दो मिनिट रुकने को कहा। गोलू का रुकने का मन तो नहीं था, फिर भी रुक गया। गोलू ने देखा आंटी भीतर गई और ढेर सारी पतंगों का बंडल हाथ में लेकर आईं। पतंगों का बंडल गोलू को थमाते हुए बोलीं, 'अनुज तुम्हारी छत से रोज पतंगें लेकर आता है। मैं इसे डांटती हूँ, लेकिन इस पर कोई असर नहीं होता। सुबह उसे एक भी पतंग नहीं मिलेगी,

गोलू पतंग लूटकर उन्हें छत पर बने स्टोर रूम में रखता था। उसकी छत से लगे घर में रहने वाला अनुज, स्टोर से पतंगें चुरा लेता। गोलू को जब पता चला तो उसे बहुत गुस्सा आया। मकर संक्रांति के दिन उसने अनुज के साथ जो किया, वह बहुत ही अचरज करने वाली बात थी।

हैप्पी मकर संक्रांति



ना ही मैं उसे खरीदने दूंगी, तभी उसे एहसास होगा कि चोरी करने का क्या नतीजा होता है?'

गोलू को समझ में नहीं आया कि वह क्या कहे। वह मुस्कुराते हुए बोला, 'आंटी जी, अनुज मेरे भाई की तरह है। ये पतंगें आप उसे ही उड़ाने दीजिए।'

गोलू की बात सुनकर आंटी ने उसको ढेर सारा आशीर्वाद दिया। गोलू वापस घर लौटते हुए सोच रहा था कि पता नहीं उसने यह सही किया या गलत किया? उसने घर जाकर मम्मी को जब सारी बात मम्मी को बताई तो वह

बोलीं, 'बेटा, तुमने बिल्कुल सही किया।' अब क्योंकि गोलू खुद ही पतंगें अनुज को दे आया था तो उसे इस बात का कोई दुख नहीं था।

गोलू जब सुबह छत पर गया और स्टोर रूम खोला तो उसे पतंगों का एक बंडल अलग ही पड़ा दिखा। वह जैसे ही पीछे मुड़ा तो देखा, छत की दीवार के उस पार अनुज खड़ा मुस्कुरा रहा था, वह बोला, 'भैया, सॉरी...!'

यह सुनकर गोलू मुस्कुरा उठा, बोला, 'कोई बात नहीं, मिलकर पतंग उड़ाते हैं। हैप्पी मकर संक्रांति अनुज!'

कविता

दिनेश विजयवर्गीय



पतंग

छोटे-बड़े सब जन उड़ाते संक्रांति पर खूब पतंग।
दूर गगन में सैर को जाती संग हवा के चले पतंग।
अनुशासन का पाठ पढ़ाती संग डोर के बंधी पतंग।
मोनु टोनु छत पर जाते लेकर गिड़गिड़ी और पतंग।
जब फंद जाती पैवों में संघर्ष करती खूब पतंग।
उत्साह भरा शोर हो जाता जब कट जाती कोई पतंग।
गिसका होता मांझा अक्खा सदा जीतती वही पतंग।
रंग-बिरंगी रूपों वाली उड़ती चारों ओर पतंग।
जब कट जाती रुक न पाती कह जाती अलविदा पतंग।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां पर मकर संक्रांति के दिन मैदान पर पतंग उड़ाते बच्चों से जुड़े एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। जल्दी से ये अंतर ढूँढकर बताओ तो जरा।



- 1- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।
- 2- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।
- 3- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।
- 4- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।
- 5- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।
- 6- पहला चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाला लड़का है, दूसरे चित्र में लाल पतंग उड़ाने वाली लड़की है।

गिनकर बताओ

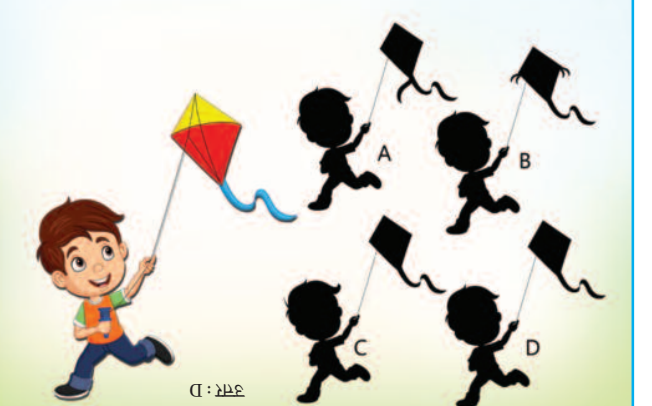
बच्चों, यहां दिए गए चित्र में बहुत सारी रंग-बिरंगी पतंगें आसमान में उड़ती दिख रही हैं। तुम्हें जल्दी से गिनकर बताओ कि चित्र में पतंगों की कुल संख्या कितनी है?



उत्तर : 12

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां पर मकर संक्रांति के मौके पर पतंग उड़ाते हुए एक बच्चे के चित्र के साइड में 6 परछाईयां दी गई हैं। तुम्हें इन 6 परछाईयों में से उस परछाई को पहचानना है, जो इस बच्चे के चित्र की एकदम सही परछाई है। जल्दी से सही परछाई को पहचानो तो।



उत्तर : C